Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 10
अंक : 256
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
सोमवार, 22 सितम्बर, 2025

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

3 कानून-व्यवस्था का प्रभावी क्रियान्वयन भारत ... 4 2025 के जीएसटी सुधार से 2030 तक टैक्स ... 7 एशिया कप 2025 : 'दोनों टीमों में बहुत ...

नवरात्रि का पहला दिन

मां शैलपुत्री

मां शैलपुत्री कौन हैं ?

नवरात्र के 9 दिन भक्ति और साधना के लिए बहुत पवित्र माने गए हैं. इसके पहले दिन शैलपुत्री की पूजा की जाती है. शैलपुत्री हिमालय की पुत्री हैं. हिमालय पर्वतों का राजा हैं. मां शैलपुत्री को वृषोरूढ़ा, सती, हेमवती, उमा के नाम से भी जाना जाता हैं. घोर तपस्या करने वाली मां शैलपुत्री सभी पशु-पक्षियों, जीव की रक्षक मानी जाती हैं. नवरात्रि पूजन में पहले दिन इन्हीं का पूजन होता है.

स्वरूप

मां शैलपुत्री के माथे पर अर्ध चंद्र स्थापित है। मां के दाहिने हाथ में त्रिशूल और बाएं में कमल है। उनकी सवारी नंदी माने जाते हैं। देवी सती ने पर्वतराज हिमालय के घर पुर्नजन्म लिया और वह फिर वह शैलपुत्री कहलाईं। ऐसा माना जाता है कि मां शैलपुत्री की पूजा करने से चंद्र दोष से मुक्ति मिलती है।

ऐसे करें मां शैलपुत्री की पूजा

मां शैलपुत्री की तस्वीर स्थापित करें। उसके नीचे लकड़ी की चौकी पर लाल वस्त्र बिछाएं। इसके ऊपर केसर से शं लिखें और उसके ऊपर मनोकामना पूर्ति गुटिका रखें।हाथ में लाल पुष्प लेकर शैलपुत्री देवी का ध्यान करें।

पूजा विधि

मां शैल पुत्री श्री दुर्गा का प्रथम रूप हैं। इनकी पूजा पूजा में विधि-विधान का विशेष ध्यान देना चाहिए। अतः पहले दिन मां के निमित्त विविध प्रकार की विहित पूजन की समाग्री को संग्रहित करके शौचादि क्रियाओं से निवृत्त होकर षोडषोपचार विधि से करना चाहिए। यदि सम्भव हो तो दुर्गा सप्तशती का पाठ करें या करवाएं और क्षमा प्रार्थना करना चाहिए। प्रकृति स्वरूपा को प्रसन्न करने के लिए अलग-अलग विधान के अनुसार अलग-अलग मंत्र हैं, किंतु अपनी शक्ति सामर्थ्य के अनुसार इस मंत्र के जाप कर सकते हैं-

धन की कमी दूर करने के लिए करें ये उपाय, मिलेगी मां लक्ष्मी की कृपा

ऐश्वर्यं यत्प्रसादेन सौभाग्यारोग्यसम्पदः।
शत्रुहानि परो मोक्षः स्तूयते सा न किं जनैः। ।
न तेषां जायते किंचिदशुभं रणसंकटे।
नापदं तस्य पश्यामि शोकदुःखभयं न हि। ।

नवरात्रि से 'आत्मनिर्भर भारत' का नया अध्याय

पीएम मोदी ने जीएसटी रिफॉर्म्स की घोषणा की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज राष्ट्र को संबोधित किया, जिसमें उन्होंने आगामी नेक्स्ट-जेनरेशन जीएसटी रिफॉर्म्स की घोषणा की, जो सोमवार 22 सितंबर से लागू होंगे। प्रधानमंत्री ने इस महत्वपूर्ण कदम को 'जीएसटी बचत उत्सव' का नाम दिया और इसे आत्मनिर्भर भारत अभियान की दिशा में एक बड़ा कदम बताया।

पीएम ने 'जीएसटी बचत उत्सव' का शुभारंभ किया

नवरात्रि की शुरुआत के साथ ही, ये नए जीएसटी सुधार लागू हो रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि यह उत्सव गरीबों, मध्यम वर्ग, युवाओं और व्यापारियों सहित देश के हर वर्ग के लिए फायदेमंद होगा। उन्होंने कहा कि इन सुधारों से लोगों की बचत बढ़ेगी और वे अपनी पसंद की चीजें आसानी से खरीद पाएंगे, जिससे त्योहारी मौसम में सभी के चेहरों पर खुशी आएगी। उन्होंने इन सुधारों के लिए सभी देशवासियों को बधाई दी और विश्वास जताया कि ये सुधार भारत की आर्थिक प्रगति को गति देंगे, व्यापार को आसान बनाएंगे और हर राज्य को विकास की दौड़ में समान भागीदार बनाएंगे।

पीएम ने जीएसटी को एक सतत सुधार की प्रक्रिया बताया

प्रधान मंत्री ने 2017 में लागू हुए मूल जीएसटी सुधारों को याद किया, जिसने देश को दशकों से चले आ रहे जटिल कर जाल से मुक्ति दिलाई। उन्होंने कहा कि 2014 में सत्ता में आने के बाद, उनकी सरकार ने सभी हितधारकों और राज्यों से चर्चा कर जीएसटी को प्राथमिकता दी, जिससे यह ऐतिहासिक कर सुधार संभव हो पाया। पीएम ने कहा कि सुधार एक सतत प्रक्रिया है, और वर्तमान एवं भविष्य की जरूरतों को देखते हुए नेक्स्ट-जेनरेशन जीएसटी रिफॉर्म्स पेश किए जा रहे हैं। इन नए सुधारों के तहत, जीएसटी की केवल दो प्रमुख दरें 5% और 18% लागू होंगी, जिससे रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुएं अधिक सस्ती हो जाएंगी।

पीएम आत्मनिर्भरता और स्वदेशी पर जोर दिया

अपने संबोधन में, प्रधान मंत्री ने एक बार फिर 'आत्मनिर्भर भारत' के मंत्र पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जिस तरह स्वतंत्रता संग्राम को 'स्वदेशी' के मंत्र से ताकत मिली, उसी तरह देश की समृद्धि को भी स्वदेशी से ही शक्ति मिलेगी। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे ऐसे उत्पाद खरीदें जो 'मेड इन इंडिया' हों, जिनमें देश के युवाओं की मेहनत लगी हो। उन्होंने कहा कि हर घर और हर दुकान को स्वदेशी का प्रतीक बनना चाहिए। पीएम ने यह भी बताया कि भारत को आत्मनिर्भर बनाने में एमएसएमई की महत्वपूर्ण भूमिका है।

मध्यस्थता परिषद के गठन में प्रगति हुई है : कानून मंत्री मेघवाल

नई दिल्ली। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने रविवार को कहा कि मध्यस्थता परिषद के गठन में प्रगति हुई है और वह जल्द ही इस बारे में "अच्छी खबर" साझा करेंगे। मध्यस्थता पर एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए, मेघवाल ने कहा कि कुछ लोगों ने इस ओर ध्यान दिलाया है कि मध्यस्थता कानून पारित होने के वर्षों बाद भी भारतीय मध्यस्थता परिषद का गठन नहीं किया गया है।

उन्होंने कहा, "हम इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। मैं जल्द ही अच्छी खबर दूंगा।" हाल में, अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने संसद द्वारा मध्यस्थता अधिनियम पारित किए जाने के दो साल बाद मध्यस्थता परिषद के गठन में देरी के पीछे मानव संसाधन की कमी को कारण बताया था। शीर्ष विधि अधिकारी ने कहा कि मानव संसाधन की कमी के कारण आज ऐसे कई कानूनों के क्रियान्वयन में समस्या आ रही है। मध्यस्थता अधिनियम मध्यस्थों को विनियमित करने के लिए एक भारतीय मध्यस्थता परिषद के गठन का प्रस्ताव करता है। इसके अन्य कार्यों में मध्यस्थों का पंजीकरण और मध्यस्थता सेवा प्रदाताओं एवं मध्यस्थता संस्थानों को मान्यता देना शामिल है।

बीते 10 वर्षों में कश्मीर, पूर्वोत्तर और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में हिंसा में 75 फीसदी कमी आईः शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के 10 वर्षों के कार्यकाल में जम्मू-कश्मीर, पूर्वोत्तर और नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्रों में हिंसा में 75 प्रतिशत की कमी आई है।

शाह ने दोहराया कि वामपंथी उग्रवाद को 31 मार्च 2026 तक समाप्त कर दिया जाएगा। उन्होंने सर्जिकल स्ट्राइक, हवाई हमलों और 'ऑपरेशन सिंदूर' का हवाला देते हुए कहा कि आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति अपनाई गई है।

शाह ने प्रधानमंत्री मोदी के 75वें जन्मदिन के अवसर पर समाचार चैनल 'आजतक' से बातचीत में कहा, "देश में तीन प्रमुख 'हॉटस्पॉट' थे-कश्मीर, पूर्वोत्तर और

वामपंथी उग्रवाद... मोदी सरकार के 10 वर्षों के कार्यकाल में, तीनों 'हॉटस्पॉट' में हिंसा में 75 प्रतिशत की कमी आई है।"

गृह मंत्री ने कहा कि अगर पूरी दुनिया में कोई भी संकट का प्रबंधन सीखना चाहता है, तो वह प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत के कोविड प्रबंधन का अध्ययन कर सकता है। उन्होंने कहा, "जब दुनिया भर की सरकारें कोविड के खिलाफ अकेले लड़ रही थीं, भारत में केंद्र सरकार, राज्य सरकारें और 140 करोड़ नागरिक इस लड़ाई में एक साथ आए और इसी सामूहिक शक्ति के कारण हमें सफलता मिली। यह मोदी जी के मजबूत नेतृत्व के कारण संभव हुआ।

प्रौद्योगिकी का सही दिशा में और निडर तरीके से इस्तेमाल कानून प्रवर्तन में सुधार ला सकता है : फडणवीस

मुंबई।महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि प्रौद्योगिकी का सही दिशा में और निडर तरीके से इस्तेमाल 'पुलिसिंग' को अगले स्तर तक ले जा सकता है। 'पुलिसिंग' से आशय कानून प्रवर्तन एजेंसियों और कर्मियों द्वारा सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने, अपराध को रोकने, कानूनों को लागू करने और सामुदायिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए किए गए कार्यों और गतिविधियों से है।

दक्षिण मुंबई स्थित महाराष्ट्र पुलिस मुख्यालय में भारतीय पुलिस फाउंडेशन के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए फडणवीस ने सफेदपोश और डिजिटल अपराधों में वृद्धि के बीच पुलिस बल में चुस्ती लाने के लिए समय-समय पर बदलाव की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने कहा, 'प्रौद्योगिकी घोड़े की तरह है। घुड़सवार ही मंजिल तय करता है। अगर हम प्रौद्योगिकी का सही दिशा में, निडरता से और सही तरीके से इस्तेमाल करें, तो मुझे लगता है कि हम 'पुलिसिंग' को अगले स्तर पर ले जा सकते हैं।

बेंगलुरु की सड़कों की बदहाली पर भड़के सिद्धारमैया , नगर निगम को दिया एक महीने का अल्टीमेटम

नई दिल्ली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बेंगलुरु की सड़कों की बदहाली पर नगर निगम अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई है। उन्होंने सड़कों के गड्ढे भरने और शहर की सभी सड़कों को यातायात के लिए अनुकूल बनाने के लिए अधिकारियों को एक महीने का समय दिया है। सड़क सुधार और यातायात व्यवस्था पर बुलाई गई एक समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों की सुस्ती पर गहरी नाराजगी व्यक्त की।

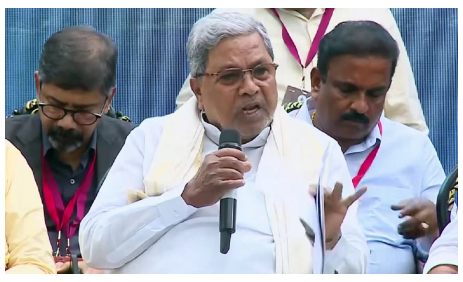

खराब सड़कों पर मुख्यमंत्री का गुस्सा

सिद्धारमैया ने अधिकारियों से सवाल किया, 'क्या आपको लोगों की रोजमर्रा की मुश्किलें दिखाई नहीं देतीं? आपने तुरंत कदम क्यों नहीं उठाए?' उन्होंने वार्ड और मुख्य अभियंताओं को तुरंत कार्रवाई करने का निर्देश दिया और सख्त लहजे में चेतावनी दी कि एक महीने के भीतर गड्ढे भरने और सड़कों को ठीक करने के लिए कड़े कदम उठाए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर अधिकारी इसमें नाकाम रहे तो उनके खिलाफ बिना किसी हिचकिचाहट के कार्रवाई की जाएगी।

यह फटकार ऐसे समय में आई है जब बेंगलुरु की एक लॉजिस्टिक्स कंपनी ब्लैकबक ने खराब सड़कों और भारी ट्रैफिक जाम के कारण आउटर रिंग रोड स्थित अपना कार्यालय बदलने की घोषणा की है। कंपनी के सीईओ राजेश याबाजी ने सोशल मीडिया पर इस मुद्दे को उठाया था। हालांकि, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने इस पर बेफिक्री दिखाते हुए कहा था कि सरकार इस तरह की 'धमकियों या ब्लैकमेलिंग' की परवाह नहीं करती।

अधिकारियों के बीच समन्वय की कमी

मुख्यमंत्री ने अपनी नाराजगी जताते हुए कहा कि बेंगलुरु विकास प्राधिकरण, बीएमआरसीएल और बीडब्ल्यूएसएसबी जैसे विभागों के बीच कोई समन्वय नहीं है। उन्होंने मुख्य आयुक्त को सभी पांचों क्षेत्रीय आयुक्तों के साथ साप्ताहिक बैठकें करने और लगातार संपर्क में रहने का निर्देश दिया। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि सड़कों का काम मानसून से पहले क्यों नहीं किया जाता।

नगर निगम द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, ग्रेटर बेंगलुरु में 14,795 गड्ढे थे, जिनमें से 6,749 भरे जा चुके हैं, जबकि 8,046 गड्ढे अभी भी बाकी हैं। इन्हें अक्टूबर के अंत तक ठीक करने का लक्ष्य रखा गया है। सड़कों की मरम्मत के लिए 18 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है और जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त 25 करोड़ रुपये भी जारी किए गए हैं।

जम्मू-कश्मीर में पर्यटन और खेल क्षेत्रों के विकास के लिए शांति आवश्यकः उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर।जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने रविवार को कहा कि इस केंद्र शासित प्रदेश में विकास और पर्यटन तथा खेल क्षेत्रों की बेहतरी के लिए शांति एक बुनियादी शर्त है। अब्दुल्ला ने यहां पत्रकारों से कहा, विकास, पर्यटन या खेल... हमें हर चीज के लिए शांति चाहिए। अगर हम दिन-रात के मैच कराने की बात करते हैं और स्थिति ठीक नहीं है, तो कौन खेलने आएगा?' उन्होंने यहां रियल कश्मीर फुटबॉल क्लब की जर्सी का विमोचन किया। उन्होंने कहा, 'शांति हर चीज का आधार है। आज के कार्यक्रम, यानी जर्सी विमोचन कार्यक्रम का संदेश भी शांति ही है।' उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शनिवार को कहा था कि जम्मू-कश्मीर में विकास के लिए शांति आवश्यक है। सिन्हा ने यह भी कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में आतंकवाद अब भी मौजूद है। अब्दुल्ला ने कहा कि शांति स्थापित करने की जिम्मेदारी उन पर नहीं है और उन्होंने जोर देकर कहा कि 'जो लोग जिम्मेदार हैं, उन्हें अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

राहुल के बाद तेजस्वी यादव की यात्रा में भी पीएम मोदी की मां का अपमान, बीजेपी हुई हमलावर

पटना। भारतीय जनता पार्टी ने रविवार को आरोप लगाया कि तेजस्वी यादव की 'बिहार अधिकार यात्रा' के दौरान राष्ट्रीय जनता दल के कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दिवंगत मां के लिए अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया। भाजपा ने इस घटना पर कड़ी आपत्ति जताई है और इसे प्रधानमंत्री की दिवंगत मां का दूसरा सार्वजनिक अपमान बताया है। इससे पहले, राहुल गांधी की 'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान भी इसी तरह की घटना हुई थी, जब दरभंगा में एक व्यक्ति ने मंच से पीएम मोदी की मां पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी, जिसके बाद काफी बवाल मचा था।

बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने इस घटना पर एक्स पर एक वीडियो साझा करते हुए लिखा कि यह बिहार की संस्कृति का अपमान है। उन्होंने तेजस्वी यादव पर आरोप लगाते हुए कहा कि वे अपने कार्यकर्ताओं को इस तरह की 'गुंडागर्दी' और 'अपमानजनक व्यवहार' के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। चौधरी ने चेतावनी दी कि बिहार की महिलाएं इस पर ज़रूर जवाब देंगी।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने भी इस मामले में तेजस्वी यादव पर तीखा हमला बोला। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने तेजस्वी की तुलना पौराणिक पात्र 'कंस' और 'कालिया नाग' से की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और उनकी मां का बार-बार अपमान करके ये लोग पाप कर रहे हैं। राय ने तेजस्वी को चेतावनी देते हुए कहा कि बिहार की जनता आगामी विधानसभा चुनावों में अपने वोटों से इसका करारा जवाब देगी।

इसी तरह, उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने भी एक्स पर लिखा कि तेजस्वी यादव की यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री की दिवंगत मां को गालियां देना 'चौंकाने वाला' है और यह विपक्ष की 'मानसिकता' को दर्शाता है। यह घटना दर्शाती है कि लोकसभा चुनाव 2024 के बाद भी राजनीतिक दलों के बीच व्यक्तिगत और तीखे हमलों का दौर जारी है।

प्रधानमंत्री, विदेश मंत्री एच1बी वीजा शुल्क वृद्धि के मुद्दे को युद्धस्तर पर सुलझाएंः ए रेवंत रेड्डी

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने शनिवार को कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एच-1बी वीजा शुल्क में भारी बढ़ोतरी करने के फैसले से तेलुगु आईटी पेशेवरों को "अकल्पनीय पीड़ा" का सामना करना होगा।

रेड्डी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर से इस मुद्दे को "युद्धस्तर पर" सुलझाने का आग्रह किया। उन्होंने शनिवार देर रात 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "अमेरिका के राष्ट्रपति के कार्यकारी आदेश सभी के लिए चौंकाने वाले थे। भारत-अमेरिकी संबंधों के ऐतिहासिक संदर्भ में यह पूरी तरह से अस्वीकार्य है।" रेड्डी ने कहा कि केंद्र सरकार को इतने लंबे समय तक अमेरिका की सेवा करने वाले "हमारे तकनीकी पेशेवरों" और कुशल श्रमिकों के हितों को ध्यान में रखते हुए, इस मुद्दे को सौहार्दपूर्ण ढंग से हल करने के लिए तुरंत एक तंत्र स्थापित करना चाहिए।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को एक घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए, जिसके तहत एच1बी वीजा शुल्क बढ़ाकर सालाना 1,00,000 अमेरिकी डॉलर किए जाने का प्रावधान है। ट्रंप के इस कदम से अमेरिका में काम करने वाले भारतीय पेशेवरों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है।

कर्नाटक के गृहमंत्री का बड़ा बयान

आरक्षण के लिए नहीं होगा जाति जगनणना के आंकड़ों का इस्तेमाल...

टुमकुरु (कर्नाटक)।कर्नाटक के गृहमंत्री जी. परमेश्वर ने कहा कि राज्य में 22 सितंबर से सात अक्तूबर तक होने वाली जाति जनगणना के आंकड़ों का उपयोग आरक्षण देने के लिए नहीं किया जाएगा। यह गणना केवल जातियों की संख्या दर्ज करने के उद्देश्य से की जा रही है। उन्होंने कहा, यह किसी खास जाति का मुद्दा नहीं है। जातिगत जनगणना केवल यह जानने के लिए की जा रही है कि आजादी के बाद से अब तक ये समुदाय शिक्षा या प्रगति के स्तर पर कहां तक पहुंचे हैं। परमेश्वर ने बताया कि इस आंकड़े का उपयोग भविष्य में केवल सरकारी योजनाएं बनाने या जरूरतमंद वर्गों के लिए विशेष कार्यक्रम तैयार करने के लिए किया जा सकता है। उन्होंने साफ किया कि आरक्षण से इसका कोई लेना-देना नहीं होगा।

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने जाति जनगणना पर क्या कहा?

इस बीच, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने भी शनिवार को एक बार फिर जाति जनगणना कराने की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि यह केवल जातियों की गिनती नहीं, बल्कि राज्य के

सामाजिक ढांचे का एक समग्र मूल्यांकन होगा। पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा, यह गणना केवल जातियों की नहीं, बल्कि आर्थिक, सामाजिक और शैक्षिक स्थिति को भी कवर करेगी। इसका मकसद वंचित तबकों को बराबरी के अवसर देना है।

जाति जनगणना पर राजनीति कर रही भाजपाः सिद्धारमैया

जातिगत जनगणना की आलोचनाओं को खारिज करते हुए सिद्धारमैया ने कहा, अगर केंद्र सरकार भी जाति जनगणना कराएगी, तो क्या वह भी कोई साजिश होगी? किसी मंत्री ने इसका विरोध नहीं किया है। समाज में बराबरी लाने के लिए गरीबों को सरकारी योजनाओं में प्राथमिकता मिलनी चाहिए। भाजपा की ओर से राज्यपाल से इस कदम पर पुनर्विचार कराने की मांग पर उन्होंने कहा, भाजपा इस सर्वे को लेकर राजनीतिक कर रही है।। इसमें जातियों को बांटने की कोई बात नहीं है।

'भाजपा ने की थी कुरुबा समुदाय को एसटी में शामिल करने की सिफारिश'

कुरुबा समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) में शामिल किए जाने के मुद्दे पर सिद्धारमैया ने कहा कि यह सिफारिश पहले भाजपा सरकार ने ही की थी।

मप्र ने नवीकरणीय ऊर्जा मूल्य निर्धारण में मील का पत्थर हासिल कियाः यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शनिवार को कहा कि मध्यप्रदेश ने नवीकरणीय ऊर्जा मूल्य निर्धारण में एक मील का पत्थर हासिल किया है, जिसमें शुल्क तीन रुपये प्रति यूनिट से कम हो गया है। उन्होंने कहा कि यह देश में पहली बार है, जब नवीकरणीय ऊर्जा का शुल्क 2.70 रुपये प्रति यूनिट पर आ गया है।

एक आधिकारिक बयान में मुख्यमंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत स्वच्छ और सस्ती ऊर्जा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां छू रहा है। उन्होंने कहा कि मुरैना सोलर प्लस स्टोरेज परियोजना से पूरे देश में ग्रीन ऊर्जा उत्पादन और भंडारण की नई राह खुलेगी। यादव ने मुरैना परियोजना में प्राप्त की गई सफलता के आधार पर लंबे समय की ऊर्जा भंडारण परियोजनाओं के लिए संकल्प व्यक्त किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि परियोजना में प्राप्त किया गया कम शुल्क प्रदर्शित करता है कि नवकरणीय ऊर्जा भी डिस्कॉम के लिए अधिक किफायती हो सकती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह परियोजना 95 प्रतिशत वार्षिक उपलब्धता के साथ भारत की पहली 'सोलर-प्लस-स्टोरेज' परियोजना बन गई है। उन्होंने कहा कि अब तक देशभर की परियोजनाओं में केवल 50 प्रतिशत 'पीक ऑवर्स' उपलब्धता और 85 प्रतिशत वार्षिक उपलब्धता सुनिश्चित हो पाती थी। यादव ने कहा, मुरैना परियोजना इस ट्रेंड को बदलते हुए 'पीक ऑवर्स' में 95 प्रतिशत आपूर्ति के नए मानक स्थापित करेगी। यादव ने कहा कि मुरैना सोलर पार्क को रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर लिमिटेड द्वारा क्रियान्वित किया गया है, जिसने पहले भी प्रतिष्ठित नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं को विकसित किया है। उन्होंने कहा, मुरैना परियोजना से उत्पादित बिजली राज्य द्वारा खरीदी जाएगी।

मेगा बीच क्लीनअप ड्राइव 2025' का भव्य आयोजन

मनपा मीरा-भायंदर का मेगा क्लीनअप ड्राईव अंतरराष्ट्रीय तटीय दिवस के अवसर पर कार्यक्रम

मंत्र भारत। भाईदंर

शनिवार, 20 सितंबर, 2025 को अंतर्राष्ट्रीय तटीय दिवस के अवसर पर मीरा-भायंदर महानगरपालिका आयुक्त एवं प्रशासक माननीय राधाबिनोद ए. शर्मा (भा.पु.से.) के उपस्थित मे ठोस अपशिष्ट प्रबंधन विभाग द्वारा 'मेगा बीच क्लीनअप ड्राइव 2025' अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत उत्तन बीच पर सुबह 7 बजे से 10 बजे तक समुद्र तट स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है।पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग (भारत सरकार) के दिशा-निर्देशों के आधार पर पर्यावरण संरक्षण हेतु महानगरपालिका द्वारा कार्यान्वित यह पहल सही मायनों में स्वच्छता के प्रति एक सामाजिक प्रतिबद्धता और जन जागरूकता है।

इस अभियान का उद्देश्य न केवल समुद्र तट को स्वच्छ बनाना है, बल्कि भविष्य के लिए एक स्थायी, सुंदर और हरित संदेश देना भी है। यह अभियान हमारे समुद्र तट को संरक्षित करने और पर्यावरण के अनुकूल जीवन शैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रचार-प्रसार का एक महत्वपूर्ण चरण है। मीरा भयंदर महानगरपालिका प्रशासन ने धर्मार्थ संगठनों, स्कूल और कॉलेज के छात्रों, मीरा भयंदर शहर के सभी नागरिकों, पूर्व पदाधिकारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और पत्रकारों से बड़ी संख्या में भाग लेने और इस अभियान को सफल बनाने की अपील की है।

मनपा प्रशासन लाइब्रेरी के लिए निःशुल्क पुस्तकें दान करने की अपील जारी की

मेघावी और गरीब छात्रो को मिलेगी मदद

मंत्र भारत। भाईदंर

मीरा-भायंदर मनपा के आयुक्त एवं प्रशासक राधाबिनोद ए. शर्मा (बी.पी. सेक.) के अगुवाई मे मीरा-भायंदर मनपा पुस्तकालय के लिए एक निःशुल्क पुस्तक दान अभियान चलाया गया है जिसका उद्देश्य शहर मे पठन संस्कृति को बढ़ावा देना है।

इस पहल का उद्देश्य पुस्तकालय के पुस्तक संग्रह को समृद्ध बनाना और शहर के विद्यार्थियों को पठनीय साहित्य आसानी से उपलब्ध कराना है। मराठी, हिंदी, अंग्रेज़ी या अन्य भाषाओं में साहित्य, पाठ्यक्रम की पूरक पुस्तकें, सामान्य ज्ञान, आत्मकथाएँ, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इतिहास, साहित्य जैसे विभिन्न विषयों पर पुस्तकें स्वागत योग्य हैं।

मीरा-भायंदर शहर के वरिष्ठ पत्रकार अनिल खेडेकर ने अपने पिता श्री आत्माराम कृष्णजी खेडेकर की स्मृति में मनपा पुस्तकालय को विभिन्न विषयों पर 113 पुस्तकें दान की हैं। मीरा-भायंदर मनपा शहर के नागरिकों, शिक्षकों, विद्यार्थियों, पुस्तक प्रेमियों, पत्रकारों, पाठकों और सामाजिक संगठनों से विनम्र निवेदन करता है कि वे अपने संग्रह से पठनीय, ज्ञानवर्धक और अच्छी स्थिति वाली पुस्तकें नगर निगम पुस्तकालय को निःशुल्क दान करें और एक सामाजिक योगदान दें।

प्रशासन का कहना है कि आपका छोटा सा योगदान किसी पाठक का भविष्य उज्जवल कर सकता है। अतः अपनी पठनीय पुस्तकें मनपा को दान करके इस मनपा पुस्तकालय को समृद्ध बनाएँ।

भुसावल मंडल में 'स्वच्छता ही सेवा - 2025' अभियान के अंतर्गत चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भुसावल मंडल में 'स्वच्छता ही सेवा - 2025' अभियान के अंतर्गत दिनांक 21 सितंबर 2025 को मध्य रेल महिला कल्याण संगठन, भुसावल द्वारा मध्य रेल सीनियर सेकेंडरी इंग्लिश मीडियम स्कूल, भुसावल में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मध्य रेल महिला कल्याण संगठन, भुसावल की अध्यक्षा श्रीमती रेखा पुनीत अग्रवाल सहित संगठन की अन्य सदस्य उपस्थित रहीं और उन्होंने छात्रों का उत्साहवर्धन किया।

यह प्रतियोगिता में 300 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों ने स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, प्लास्टिक मुक्त भारत, रेलवे परिसर की स्वच्छता जैसे विषयों पर अपनी कल्पनाशक्ति और रंगों के माध्यम से स्वच्छता का प्रभावी संदेश प्रस्तुत किया।

यह आयोजन स्वच्छ भारत अभियान और स्वच्छता ही सेवा उपक्रम के प्रति जनजागृति फैलाने के उद्देश्य से किया गया था। इस पहल के माध्यम से बच्चों में स्वच्छता के महत्व को समझाना और समाज में जिम्मेदार नागरिकता की भावना विकसित करना मुख्य उद्देश्य रहा।

प्रतियोगिता की सफलता में महिला कल्याण संगठन, शिक्षकवृंद तथा अभिभावकों का महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ। विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता के माध्यम से 'स्वच्छ भारत - सुंदर भारत' की संकल्पना को साकार करने का प्रयास किया।

मध्य रेल के सोलापुर मंडल ने 'सतर्कताः हमारी साझा ज़िम्मेदारी' विषय पर सतर्कता संगोष्ठी का आयोजन किया

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025, 27 अक्टूबर से 2 नवंबर 2025 तक पूरे भारतीय रेल में मनाया जाएगा। इसी क्रम में, मध्य रेल के सोलापुर मंडल द्वारा 18 सितंबर 2025 को सतर्कता विभाग, मुख्यालय, मध्य रेल, मुंबई के सहयोग से 'सतर्कताः हमारी साझा ज़िम्मेदारी' विषय पर एक सतर्कता संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक, मुख्यालय मध्य रेल श्री नीरज कुमार दोहरे ने व्यक्तिगत और व्यावसायिक ईमानदारी बनाए रखने, नियमों का पालन करने और पारदर्शिता के प्रति प्रतिबद्धता के महत्व पर ज़ोर दिया। उन्होंने दैनिक कार्यों में सतर्कता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक विभिन्न रेलवे संहिताओं और प्रथाओं पर प्रतिभागियों का मार्गदर्शन भी किया। सत्र के दौरान, उप मुख्य सतर्कता अधिकारियों ने रेलवे के विभिन्न विभागों में भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की, केस स्टडी पर प्रकाश डाला और अधिकारियों कर्मचारियों की सराहना की गई और उन्हें पुरस्कार प्रदान किए गए, जिससे नैतिक मानकों को बनाए रखने में ज्ञान को भ्रष्टाचार मुक्त और ईमानदारी से प्रेरित कार्य संस्कृति अपनाने के लिए मार्गदर्शन दिया। कर्मचारियों को और अधिक शामिल करने के लिए, रेलवे आचार संहिता पर एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी आयोजित की गई थी। सही उत्तर देने वाले अधिकारियों और और जागरूकता के महत्व पर बल मिला।

इस सेमिनार में सोलापुर मंडल के मुख्य परियोजना प्रबंधक श्री शैलेंद्र सिंह परिहार, मध्य रेल मुख्यालय के सतर्कता विभाग के वरिष्ठ अधिकारी प्रदीप हिरदे (यातायात), चंद्रकांत कदम (लेखा और कार्मिक), श्री सुनील कुमार बैरवा (विद्युत) और श्री अमित जोशी (भंडार और यांत्रिक) शामिल थे। मध्य रेल मुख्यालय के विभिन्न विभागों के मुख्य सतर्कता निरीक्षकों के साथ-साथ सोलापुर मंडल के सभी शाखा अधिकारियों और निरीक्षकों ने भी सक्रिय रूप से भाग लिया।

संगोष्ठी का समापन सोलापुर के अपर मंडल रेल प्रबंधक अंशुमाली कुमार के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। उन्होंने सतर्कता विभाग के प्रयासों की सराहना की और सभी कर्मचारियों को सतर्कता को एक सामूहिक जिम्मेदारी के रूप में अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम का समन्वय वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक श्री आदित्य त्रिपाठी ने किया और इसका सफल आयोजन वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री मच्छिंद्र गालवे के नेतृत्व में कार्मिक विभाग द्वारा किया गया।

ऐसी पहलों के माध्यम से, मध्य रेल का सोलापुर मंडल पारदर्शिता, जवाबदेही और भ्रष्टाचार मुक्त रेल प्रणाली के निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराता है।

सड़क दुर्घटना में महिला की मौत के मामले में चार साल बाद आया फैसला, अदालत ने सुनाया मुआवजे का आदेश

मुंबई। महाराष्ट्र के ठाणे जिले की मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण (एमएसीटी) ने एक महिला की सड़क दुर्घटना में मौत के मामले में बड़ा फैसला सुनाया है। एमएसीटी ने महिला के पति और बेटे को 26.25 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है। यह मुआवजा बीमा कंपनी और कार मालिक को संयुक्त रूप से एक माह के भीतर नौ प्रतिशत ब्याज सहित चुकाना होगा। यह मामला सितंबर 2021 में कल्याण-बदलापुर रोड पर हुए हादसे से जुड़ा है।

मामले के अनुसार, पीड़िता सदफ अब्दुल गफूर मुल्ला अपने पति और बेटे के साथ मोटरसाइकिल पर सफर कर रही थीं। तभी रात 29 सितंबर 2021 को उनकी बाइक को एक तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में महिला को गंभीर सिर की चोटें आईं और पांच दिन बाद इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

न्यायाधिकरण का निष्कर्ष

न्यायाधीश आर वी मोहिटे ने आदेश में कहा कि कार चालक ने लापरवाही और तेज रफ्तार में वाहन चलाया और हादसे के बाद घटनास्थल से फरार हो गया। अदालत ने माना कि दुर्घटना की जिम्मेदारी कार चालक की लापरवाही से बनी।

बीमा कंपनी रिलायंस जनरल इंश्योरेंस ने अपनी दलील में कहा कि ड्राइवर नशे में था और उसने पॉलिसी की शर्तों का उल्लंघन किया, इसलिए कंपनी मुआवजा देने के लिए बाध्य नहीं है। लेकिन अधिकरण ने यह तर्क खारिज कर दिया।

ड्राइवर पर नशे का आरोप साबित नहीं

अदालत ने पाया कि रासायनिक विश्लेषक की रिपोर्ट में ड्राइवर के खून में केवल 0.055 प्रतिशत अल्कोहल पाया गया, जो कानून के तहत नशे में वाहन चलाने के लिए पर्याप्त नहीं है। इसके अलावा, चालक के पास वैध ड्राइविंग लाइसेंस भी मौजूद था। इसलिए बीमा कंपनी के तर्क को अदालत ने निराधार माना।

पीड़ित परिवार को मुआवजा

अधिकरण ने आदेश दिया कि महिला के पति को 10 लाख रुपये और नाबालिग बेटे को 16.25 लाख रुपये दिए जाएं। बेटे के हिस्से की राशि को उसकी बालिग उम्र तक सावधि जमा (एफडी) में रखा जाएगा। अदालत ने साफ किया कि इस मामले में बीमा कंपनी और कार मालिक दोनों जिम्मेदार हैं और संयुक्त रूप से भुगतान करेंगे।

नवी मुंबई एक स्वच्छ और सुंदर शहर है जो विभिन्न खेलों को प्राथमिकता देता है - नवी मुंबई नगर आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

नवी मुंबई के पाम बीच रोड पर दौड़ना हर धावक का सपना होता है, इसलिए सिटी हेल्थ रन को मिली अच्छी प्रतिक्रिया पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए, नवी मुंबई नगर आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे ने कहा कि नवी मुंबई एक ऐसा शहर बन रहा है जो विभिन्न खेलों के साथ-साथ एक स्वच्छ और सुंदर शहर भी है। आयुक्त ने कहा कि दौड़ना एक बेहतरीन व्यायाम है और उन्होंने अनुभव किया है कि इससे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों बेहतर होते हैं। आयुक्त दक्षिण अफ्रीका में विश्व प्रसिद्ध कॉमरेड रन में दो बार भाग ले चुके हैं और उन्होंने कहा कि दौड़ने से मस्तिष्क और मन का व्यायाम होता है और सकारात्मक ऊर्जा मिलती है, इसलिए वे दौड़ को केवल दौड़ना नहीं, बल्कि एक व्यापक व्यायाम मानते हैं।

इंडिया रनिंग जैसी प्रतिष्ठित संस्था के सहयोग से सकाल समाचार पत्र समूह द्वारा पाम बीच रोड पर आयोजित 10 किमी, 5 किमी और 3 किमी की 'नवी मुंबई सिटी हेल्थ रन' के अवसर पर पुरस्कार वितरण समारोह नगर आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे के हाथों संपन्न हुआ। इस अवसर पर सकाळ के मुख्य संपादक श्री राहुल गडपाले, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन विभाग के उपायुक्त डॉ. अजय गड्डे, बिग बॉस मराठी विजेता एवं कोरियोग्राफर श्री शिव ठाकरे, प्रसिद्ध अभिनेत्री श्री मृण्मयी देशपांडे, अभिनेता श्री राहुल पेठे और श्री करण परब सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

भविष्य में नवी मुंबई में विभिन्न खेल गतिविधियों के आयोजन और विभिन्न खेलों के लिए बुनियादी ढाँचे की सुविधा उपलब्ध कराए जाने की बात कहते हुए, आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे ने विश्वास व्यक्त किया कि ऐसी प्रतियोगिताओं के माध्यम से भविष्य के ओलंपिक एथलीट तैयार होंगे।

उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि नवी मुंबई जैसे अन्य शहरों से नियमित रूप से दौड़ने का अभ्यास करने वाले उत्साही धावकों ने बड़ी संख्या में इस दौड़ में भाग लिया और 10 किलोमीटर की दूरी 39 मिनट में पूरी करने वाले सफल धावकों ने भी इस दौड़ में भाग लिया। नवी मुंबई नगर निगम के छठे आयुक्त श्री जयंत जावड़ेकर के साथ-साथ उप अभियंता श्री गजानन पुरी और पूर्व उपायुक्त श्री शरद पवार ने भी 10 किलोमीटर की दौड़ में भाग लिया और सफलतापूर्वक दूरी पूरी की। सभी विजेताओं को उनके साथ बधाई दी गई। केंद्र सरकार के 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के तहत, नवी मुंबई नगर निगम ने स्वच्छता और स्वास्थ्य के बीच अंतर्संबंध को ध्यान में रखते हुए, नवी मुंबई सिटी हेल्थ रन में भाग लिया। इसके माध्यम से, उपस्थित धावकों के बीच नियमित रूप से स्वच्छता की आदतें अपनाने का संदेश व्यापक रूप से प्रसारित किया गया।

पश्चिम रेलवे

ओएचई कार्य

वरिष्ठ डीईई/टीआरडी/एनएस/बीसीटी ई-निविदा संख्याः ईएल-टीआरडी-डब्ल्यू-118-25-26-11 दिनांक 18.09.2025 को आमंत्रित करते हैं। **कार्य का नामः** मुंबई मंडल के विरार-सूरत क्षेत्राधिकार के अंतर्गत यार्डों के कनेक्शन सुधार एवं उन्नयन हेतु ओएचई बॉन्डिंग कार्य। **विज्ञापित मूल्यः रु**. 36,14,954.27/- **बयाना राशिः** रु. 72,300/- **जमा करने की तिथि एवं समयः** 10.10.2025, 15:00 बजे तक। **खोलने की तिथि एवं समयः** 10.10.2025 को 15:30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें। मैन्युअल प्रस्तावों पर विचार नहीं किया जाएगा। 0627

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

निर्माण कार्य

मंडल रेल प्रबंधक (पश्चिम रेलवे), पश्चिम रेलवे, छठी मंजिल, इंजीनियरिंग विभाग, मुंबई सेंट्रल, मुंबई - 400 008. आमंत्रित हैं। **क्रमांकः** 1. **ई-निविदा सूचना संख्याः** बीसीटी/25-26/231 दिनांक 19/09/2025 **कार्य और स्थानः** महालक्ष्मी खेल मैदानः- महालक्ष्मी खेल मैदान परिसर में एयर कंडीशनिंग और अन्य सुविधाओं सहित बैडमिंटन कोर्ट 1/2 और 3/4 का निर्माण (संयुक्त निविदा)। **कार्य की अनुमानित लागतः** 4,97,95,283.78। **बयाना राशिः**:3,99,000/-। **क्रमांकः** 2. **ई-निविदा सूचना संख्याः** बीसीटी/25-26/232 दिनांक 19/09/2025। **कार्य एवं स्थानः** दादरः- उप-सचिव, उप-सचिव कार्यालय हेतु गार्ड एवं मोटरमैन लॉबी सहित सेवा भवन का प्रावधान। **कार्य की अनुमानित लागतः** 97,40,499.69। **बयाना राशिः** 1,94,800/-। **दोनों निविदाएँ जमा करने की तिथि एवं समयः** 14.10.2025, 15:00 बजे तक। **दोनों निविदाएँ खोलने की तिथि एवं समयः** 14.10.2025 को 15:30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें। 0626

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

विद्युत कार्य

वरिष्ठ डीईई/टीआरडी/एनएस/बीसीटी ई-निविदा संख्याः ईएल-टीआरडी-डब्ल्यू-118-25-26-9 दिनांक 18.09.2025 आमंत्रित करते हैं। **कार्य का नामः** मुंबई मंडल के विरार-जलगाँव खंड में सभी टीएसएस, एसपी, एसएसपी, एटी, स्टेशनों और रोड ओवर ब्रिजों में अर्थिंग सिस्टम (अर्थ पिट्स) का विस्तार/पुनर्निर्माण और मौजूदा जंग लगे/जंग लगे/टूटे हुए ट्रैक्शन बॉन्ड और 70 वर्ग मिमी केबल को बदलना। **विज्ञापित मूल्यः** 2,31,23,840/- **बयाना राशिः** 2,65,600/- **जमा करने की तिथि और समयः** 10.10.2025, 15:00 बजे तक। **खुलने की तिथि एवं समयः** 10.10.2025 को 15:30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें। मैन्युअल प्रस्तावों पर विचार नहीं किया जाएगा। 0625

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

रामदास अठावले बोले- नवरात्रि गरबा पर वीएचपी का फरमान हिंसा का न्योता, सरकार से की अपील

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने रविवार को विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) के उस बयान की कड़ी आलोचना की, जिसमें गरबा कार्यक्रमों में केवल हिंदुओं को ही प्रवेश देने की बात कही गई थी। रामदास अठावले ने कहा कि यह निर्देश हिंसा को बढ़ावा देने जैसा है। नवरात्रि 22 सितंबर से 1 अक्तूबर तक मनाई जाएगी। वीएचपी ने आयोजकों से कहा है कि गैर-हिंदुओं की एंट्री रोकी जाए और पहचान के लिए आधार कार्ड चेक किया जाए, ताकि लव जिहाद की घटनाओं को रोका जा सके।

'सलाह कट्टरपंथी तत्वों को हिंसा भड़काने का खुला न्योता'

रामदास अठावले ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'वीएचपी कौन होती है यह तय करने वाली कि गरबा में कौन जाएगा और कौन नहीं? यह सलाह कट्टरपंथी तत्वों को हिंसा भड़काने का खुला न्योता है। अगर नवरात्रि के दौरान कहीं भी झगड़े या धार्मिक तनाव होते हैं तो इसकी पूरी जिम्मेदारी वीएचपी और उससे जुड़े संगठनों की होगी।'

यह कदम भारत की एकता पर सीधा हमला- अठावले

उन्होंने कहा कि यह कदम भारत की एकता, विविधता और धार्मिक सहिष्णुता पर सीधा हमला है। संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 25 सभी को समानता और धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार देते हैं। केंद्रीय मंत्री ने सरकार और प्रशासन से अपील की कि नवरात्रि के दौरान किसी भी तरह के जबरन पहचान जांच या भेदभाव को रोका जाए और सभी की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा, 'नवरात्रि का असली सार भागीदारी और शांति में है, न कि किसी को बाहर करने में।'

मार्च 2026 से पहले 5,500 सहायक प्रोफेसर की भर्ती की जाएगीः महाराष्ट्र सरकार

महाराष्ट्र के उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांत पाटिल ने शनिवार को कहा कि राज्य के प्रमुख कॉलेजों में मार्च 2026 से पहले 5,500 सहायक प्रोफेसर की भर्ती की जाएगी। पाटिल नांदेड़ में स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाड़ा विश्वविद्यालय के 28वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। मंत्री ने बताया कि राज्य सरकार ने प्रमुख कॉलेजों में सहायक प्रोफेसर के 5,500 पदों और 2,900 गैर-शैक्षणिक पदों पर भर्ती को मंजूरी दे दी है।

उन्होंने बताया कि वित्त और योजना विभाग, दोनों ने अपनी सहमति दे दी है। पाटिल ने कहा कि जल्द ही एक सरकारी आदेश (जीआर) जारी किया जाएगा और अगले साल मार्च से पहले सहायक प्रोफेसर के 5,500 रिक्त पदों को भर लिया जाएगा।

कानून-व्यवस्था का प्रभावी क्रियान्वयन भारत को महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर करेगा- मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

मादक पदार्थों से जुड़े अपराधों के विरुद्ध शून्य सहनशीलता नीति

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

कानून-व्यवस्था के बिना कोई भी महाशक्ति टिक नहीं सकती। कानून-व्यवस्था के प्रभावी क्रियान्वयन से देश वैश्विक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर हो सकता है। इसलिए, महाराष्ट्र सरकार ने पुलिस व्यवस्था में सुधारों पर ज़ोर दिया है, जिसमें साइबर सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करने के साथ-साथ मादक पदार्थों से संबंधित अपराधों के प्रति कठोर शून्य सहनशीलता नीति अपनाई गई है, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा।

मुख्यमंत्री भारतीय पुलिस फाउंडेशन के 10वें स्थापना दिवस के अवसर पर मुंबई पुलिस मुख्यालय में आयोजित 'भारत के आर्थिक विकास के लिए पुलिस की पुनर्कल्पना' विषय पर एक संगोष्ठी में बोल रहे थे। इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के सामाजिक न्याय राज्य मंत्री असीम अरुण, आईपीएफ प्रमुख और मेघालय के पूर्व राज्यपाल आरएस मूशाहरी, आईपीएफ अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व डीजीपी ओपी सिंह, महाराष्ट्र की डीजीपी रश्मि शुक्ला, मुंबई पुलिस आयुक्त देवेन भारती सहित विभिन्न राज्यों के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा, 'यह गर्व की बात है कि महाराष्ट्र पुलिस और मुंबई पुलिस ने हमेशा उच्च मानकों को बनाए रखा है। आज, जब पुलिस अधिकारी भारत के आर्थिक विकास पर विचार-विमर्श कर रहे हैं, यह वास्तव में सराहनीय है। आज के कार्यक्रम में हुआ विचार-मंथन पुलिस व्यवस्था में और सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और सरकार इस संवाद से निकलने वाले नए सुझावों पर सकारात्मक रूप से विचार करेगी।'

उन्होंने आगे कहा कि समय के साथ अपराधों की प्रकृति बदली है, इसलिए 2023 में, नवीन सुधारों पर ध्यान केंद्रित करते हुए पुलिस बल का एक नया संगठनात्मक ढांचा बनाया गया है। हालाँकि भारतीय संविधान में नियंत्रण और संतुलन का प्रावधान है, फिर भी कई अधिकारियों ने मौजूदा कानूनों का प्रभावी ढंग से उपयोग करके परिवर्तनकारी सुधार लाए हैं। चूँकि आईपीसी, सीआरपीसी और भारतीय साक्ष्य अधिनियम औपनिवेशिक काल के कानून हैं, इसलिए लोकतांत्रिक सिद्धांतों के अनुरूप आवश्यक संशोधन किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, 'ये नए आपराधिक कानून न्याय व्यवस्था में जनता के विश्वास को मज़बूत करेंगे और न्याय के प्रति सकारात्मकता की भावना लाएँगे।'

उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि पुलिस व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के लिए नई तकनीकों और डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म को अपनाना ज़रूरी है। साइबर अपराधों के बदलते स्वरूप को देखते हुए, उन्नत तकनीक का इस्तेमाल ज़रूरी हो गया है। सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म के ज़रिए अपराध बढ़ रहे हैं, इसलिए ऑनलाइन अपराधों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए डेटा एनालिटिक्स, मशीन लर्निंग, डिजिटल ट्रैकिंग और त्वरित प्रतिक्रिया प्रणाली जैसी तकनीकों का इस्तेमाल ज़रूरी है। महाराष्ट्र ने देश की सबसे उन्नत साइबर सुरक्षा प्रयोगशालाओं में से एक स्थापित की है, और अन्य राज्यों ने भी ऐसी ही सुविधाओं की माँग की है। उन्होंने आगे कहा कि एआई की मदद से जटिल आपराधिक मामलों का निपटारा बहुत तेज़ी से हो रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने नशीले पदार्थों के खिलाफ़ सख़्त जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई है और नशीले पदार्थों की तस्करी में शामिल लोगों के खिलाफ़ कड़ी कार्रवाई की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था पारंपरिक रूप से कृषि-आधारित रही है। आज भी कृषि उतनी ही महत्वपूर्ण है, लेकिन बदलते समय के साथ, सेवा क्षेत्र अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बनता जा रहा है। मुख्यमंत्री फडणवीस ने बताया, 'कृषि और सेवा दोनों पर आधारित अर्थव्यवस्था को विशिष्ट चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, इसलिए सेवा क्षेत्र की बदलती परिभाषा को समझना आवश्यक है। पुलिस बल के आधुनिकीकरण के साथ-साथ, स्थायी मूल्यों को बनाए रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।'

इस अवसर पर, 'पुलिस प्रशासन के माध्यम से निवेश पारिस्थितिकी तंत्र में विश्वास और स्थिरता का निर्माण' और 'डिजिटल सीमाओं की सुरक्षाः रणनीतिक पुलिस-उद्योग सहयोग की आवश्यकता' जैसे विषयों पर भी सत्र आयोजित किए गए।

महाराष्ट्र में मराठा आंदोलन के बाद सुप्रिया सुले का बयान

आरक्षण केवल जरूरतमंदों के लिए होना चाहिए

मुंबई(संवाददाता)। महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण आंदोलन के कुछ दिन बाद ही राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की सांसद सुप्रिया सुले ने शनिवार को कहा कि आरक्षण केवल उन लोगों के लिए होना चाहिए जिन्हें इसकी असल में आवश्यकता है, उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्ति शिक्षित है और उसकी आर्थिक स्थिति अच्छी है तो फिर उसके लिए आरक्षण की मांग करना उचित नहीं है. सुले ने उदाहरण देते हुए कहा कि अगर उनका बच्चा मुंबई के अच्छे स्कूल में पढ़ रहा है तो शायद चंद्रपुर के किसी गरीब बच्चे को ऐसी शिक्षा की ज्यादा आवश्यकता है. सुप्रिया सुले ने लोगों से इस मुद्दे पर खुलकर चर्चा करने की भी अपील की, उन्होंने कहा कि आइए हम सब इस पर बहस करें. हर मंच पर, कॉलेजों और समाज में इसे लेकर बातचीत होनी चाहिए. हमें जानना चाहिए कि आम जनता इस पर क्या सोचती है।

आर्थिक आधार बनाम जाति आधार

सुप्रिया सुले ने यह भी पूछा कि आरक्षण आर्थिक बैकग्राउंड पर आधारित होना चाहिए या जाति पर. इस दौरान दर्शकों के बीच सर्वे किया गया, जिसमें ज्यादातर लोग आर्थिक आधार पर आरक्षण के पक्ष में दिखाई दिए. इस पर प्रतिक्रिया देते हुए सुले ने कहा कि उन्हें युवा पीढ़ी खासकर जेन जेड के साथ जुड़ाव महसूस होता है और यही उन्हें प्रेरित करता है कि वह हर हितधारक की राय जानें।

मराठा आंदोलन के बाद की प्रतिक्रिया

सुले की यह टिप्पणी महाराष्ट्र में हाल ही में हुए मराठा आरक्षण आंदोलन के कुछ दिनों बाद आई है. कार्यकर्ता मनोज जरांगे और उनके समर्थकों ने मराठाओं के लिए नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण की मांग को लेकर पूरे महाराष्ट्र में बड़े विरोध प्रदर्शन किए थे. महाराष्ट्र सरकार ने उनकी ज्यादातर मांगें मान लीं, जिसमें योग्य मराठों को कुनबी जाति प्रमाण पत्र प्रदान करना भी शामिल था. इसके बाद इस महीने की शुरुआत में आंदोलन को वापस ले लिया गया, जिससे अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को मिलने वाले आरक्षण लाभों का सास्ता साफ हो गया।

डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे का एक्स अकाउंट हुआ हैक, हैकर्स ने पोस्ट किए पाकिस्तान और तुर्किये के झंडे

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' (पहले ट्विटर) अकाउंट रविवार को हैक हो गया। हैकर्स ने अकाउंट पर पाकिस्तान और तुर्किये के झंडों की तस्वीरें और लाइव स्ट्रीमिंग भी पोस्ट की। इस मामले में अधिकारियों ने बताया कि साइबर क्राइम पुलिस को तुरंत जानकारी दी गई। लगभग 30 से 45 मिनट की मेहनत के बाद उनका अकाउंट वापस हासिल कर लिया गया। पुलिस अधिकारी ने कहा, 'हमने तुरंत साइबर अपराध पुलिस को सूचित किया। उपमुख्यमंत्री के एक्स हैंडल की प्रभारी हमारी टीम ने बाद में अकाउंट को पुनः प्राप्त कर लिया।'

नाना पटोले ने साइबर सुरक्षा पर उठाए सवाल

हालांकि, महाराष्ट्र कांग्रेस के वरिष्ठ नेता नाना पटोले ने साइबर सुरक्षा पर सवाल उठाए और राज्य के गृह विभाग से लोगों को ऐसे खतरों से बचाने के लिए स्पष्ट जवाब देने की मांग की। महाराष्ट्र कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष पटोले ने कहा कि यह घटना चौंकाने वाली है और इसने राज्य के साइबर सुरक्षा ढांचे पर सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि हैकिंग की घटना पर तीखी प्रतिक्रिया हुई है, खासकर जेन-जेड वर्ग की ओर से, जिन्होंने पूछा है कि अगर वरिष्ठ मंत्रियों के सोशल मीडिया अकाउंट सुरक्षित नहीं रह सकते, तो आम नागरिकों की ऑनलाइन सुरक्षा की क्या गारंटी है?

इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा?- पटोले

कांग्रेस विधायक ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि इसने राज्य के गृह विभाग को भी सुर्खियों में ला दिया है, जहां आलोचक पूछ रहे हैं कि इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा और नागरिकों के डिजिटल डेटा की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए क्या ठोस व्यवस्थाएं हैं। सरकार ने हाल ही में एक केंद्रीकृत डेटाबेस बनाने के उद्देश्य से अपनी 'गोल्डन डेटा' योजना की घोषणा की है। हालांकि, एक मंत्री के अकाउंट में सेंध लगने की घटना ने सरकारी वेबसाइटों और संवेदनशील आधिकारिक डेटा की सुरक्षा व्यवस्था की मजबूती पर संदेह पैदा कर दिया है। नाना पटोले ने मांग की कि गृह विभाग नागरिकों को साइबर खतरों से बचाने के लिए स्पष्ट जवाब दे।

स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत नवी मुंबई के धार्मिक स्थलों की विशेष सफाई अभियान

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

'स्वच्छ भारत मिशन' की घोषणा के अनुसार, 17 सितंबर से 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान शुरू किया गया है और नगर आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे के मार्गदर्शन में पखवाड़े के दौरान प्रतिदिन आयोजित होने वाली विभिन्न गतिविधियों के लिए एक कैलेंडर तैयार किया गया है। इसके अनुसार, प्रतिदिन विभिन्न स्वच्छता गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं और इसमें नगर निगम के अधिकारियों, कर्मचारियों और सफाई कर्मचारियों सहित जनभागीदारी पर विशेष बल दिया गया है। तदनुसार, अपर आयुक्त सुनील पवार के नियंत्रण में, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन विभाग के उपायुक्त डॉ. अजय गाडे के माध्यम से, मुख्य स्वच्छता अधिकारी राजेंद्र इंगले और सभी विभागों के स्वच्छता अधिकारियों, स्वच्छता निरीक्षकों और उप-स्वच्छता निरीक्षकों के सहयोग से

सभी विभागों में धार्मिक स्थलों और उनके आसपास के क्षेत्रों की गहन सफाई अभियान चलाया गया। बेलापुर प्रभाग में, आयुक्त अमोल पालवे और स्वच्छता अधिकारी श्री. नरेश अंधेर के निर्देशानुसार, माता अमृतानंदमयी मठ के संचालक एवं सदस्यों, अन्य संस्थाओं के सदस्यों, नगर निगम के अधिकारियों, कर्मचारियों, सफाई कर्मचारियों की संयुक्त भागीदारी से बालाजी टेकड़ी क्षेत्र की सफाई सफलतापूर्वक की गई। नेरुल संभाग में, षष्ठम आयुक्त जयंत जावड़ेकर एवं सफाई अधिकारी अरुण पाटिल, सफाई कर्मचारियों, मंदिर ट्रस्ट के सदस्यों और नागरिकों के नेतृत्व में, गावदेवी मंदिर नेरुलगांव और दत्त मंदिर सेक्टर 15 के क्षेत्र की सफाई की गई। तुर्भे संभाग में, षष्ठम आयुक्त सागर मोरे और सफाई अधिकारी जयेश पाटिल की योजना के अनुसार, दत्त मंदिर सानपाटा में गहन सफाई की गई। पवनेश्वर मंदिर और उसके आसपास के क्षेत्र की सफाई षष्ठम आयुक्त भरत धांडे और कोपरखैरणे संभाग के सफाई अधिकारी के माध्यम से सफाई कर्मचारियों और नागरिकों के सहयोग से की गई। घनसोली संभाग के आयुक्त उत्तम खरात और सफाई अधिकारी विजय पडघन की पहल पर, पंचशीलनगर रबाले स्थित राम मंदिर और उसके आसपास के क्षेत्र में सफाई अभियान प्रभावी ढंग से चलाया गया। दीघा में आयुक्त नैनेश बदले और स्वच्छता अधिकारी प्रवीण थोरात के माध्यम से कन्हैयानगर स्थित दुर्गा माता मंदिर और उसके आसपास के क्षेत्रों की सफाई सफाई कर्मचारियों और नागरिकों के संयुक्त सहयोग से की गई।

विधायक को 2 और मुझे मिलता है 20 करोड़ का फंड... शिवसेना नेता के बयान के बाद बवाल

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के माहिम के पूर्व विधायक सदा सरवणकर के एक बयान ने राज्य की राजनीति में एक नया विवाद खड़ा कर दिया है. उनके अनुसार, मौजूदा विधायकों को केवल 2 करोड़ रुपये का फंड मिलता है, जबकि उन्हें विधायक न रहते हुए भी 20 करोड़ रुपये मिले थे. माहिम के पूर्व विधायक ने विपक्ष के उन आरोपों को और हवा दी है कि धन का आवंटन सत्तारूढ़ दल के सदस्यों को चुनिंदा रूप से किया जा रहा है।

अपने निर्वाचन क्षेत्र (दादर-माहिम क्षेत्र) में एक कार्यक्रम में बोलते हुए सदा सरवणकर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

इसमें, नेता ने दावा किया कि शिवसेना (यूबीटी) खेमे के मौजूदा विधायक महेश सावंत को विकास कार्यों के लिए केवल 2 करोड़ रुपये दिए गए. एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुट से जुड़े सरवणकर ने कहा, 'लेकिन, विधायक न होते हुए भी, मुझे नागरिकों के काम के लिए 20 करोड़ रुपये मिले।'

विधायक को 2 और मुझे मिलते हैं 20 करोड़

पिछले कुछ वर्षों में महायुति सरकार के गठन के बाद से, धन वितरण में भेदभाव की बातें हो रही हैं, इन आरोपों को

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उनके दो उप-मुख्यमंत्री शिंदे और अजित पवार सहित इसके नेताओं ने सिरे से खारिज कर दिया है. हालांकि, सरवणकर के बयान विपक्षी सदस्यों के आरोपों को बल दिया है.

सरवणकर ने 2024 के विधानसभा चुनाव में अपनी हार का जिक्र करते हुए यह भी कहा कि विकास की राजनीति करने वाले हारते हैं, जबकि जाति की राजनीति करने वाले जीतते हैं. सरवणकर ने आगे कहा, 'चुनाव हारने के बावजूद, शिंदे साहब के समर्थन से, मैं इलाके में विकास कार्य करवा पाया हू।'

सरवणकर के बयान से फंड आवंटन पर विवाद

सरवणकर के बयान पर विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की. मुंबई की पूर्व महापौर और यूबीटी नेता किशोरी पेडनेकर ने कहा, 'कुछ विधायकों को पर्याप्त विकास निधि आवंटित न करना उनके निर्वाचन क्षेत्रों के सभी नागरिकों के साथ अन्याय है।'

सावंत ने सरवणकर को, जिन्हें 48897 वोट मिले, 1316 मतों के अंतर से हराया था. महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे के बेटे अमित, जो अपना पहला चुनाव लड़ रहे थे, तीसरे स्थान पर रहे थे. सर्वणकर ने 2014 और 2019 में विधानसभा सीट जीती थी।

यूबीटी खेमे के पूर्व विधायक वैभव नाइक ने कहा कि शिंदे खेमे में शामिल होने वालों को बिना किसी सीमा के धन दिया गया. नाइक ने आरोप लगाया, 'धन आवंटन में खुली छूट विपक्ष को कुचलने की कोशिश के अलावा और कुछ नहीं थी।'

संजय गायकवाड़ के बयान से भी हंगामा

दूसरी ओर, बुलढाणा के विधायक संजय गायकवाड़ ने एक जनसभा के दौरान दावा किया कि पंचायत और जिला परिषद जैसे छोटे चुनावों के लिए भी कम से कम 2 से 3 करोड़ रुपये की जरूरत होती है।

हाल ही में, गायकवाड़ मुंबई में एक एमएलए हॉस्टल कैंटीन कर्मचारी के साथ मारपीट करने के कारण चर्चा में थे. इससे पहले, शिंदे खेमे के विधायक ने कथित तौर पर महाराष्ट्र पुलिस को 'सबसे अक्षम' कहने पर फडणवीस की नाराजगी मोल ली थी. गृह विभाग का प्रभार मुख्यमंत्री के पास है।

मुंबई में गड्ढे पर पॉलिटिक्स, कांग्रेस ने खराब सड़क को लेकर सीएम फडणवीस और बीएमसी को घेरा

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में गड्ढों की समस्या को लेकर सियासत गरमा गई है. आगामी बीएमसी चुनावों से पहले, कांग्रेस ने शहर की खराब सड़कों और गड्ढों को लेकर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और बीएमसी को निशाना बनाया है. कांग्रेस ने अनोखे अंदाज में सड़कों की खराब हालत को लेकर राज्य सरकार पर हमला बोला है. पार्टी ने शहर के कई गड्ढों का नाम नेताओं और मंत्रियों के नाम पर रखा है.

यूथ कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष सूफियान हैदर अपने कार्यकर्ताओं के साथ अजीत ग्लास रोड जोगेश्वरी पश्चिम पहुंचे, इस दौरान उन्होंने गड्ढों के बगल में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस मार्ग का बोर्ड लगा दिया, बोर्ड पर कर्टसी के आगे बीएमसी कमिश्नर भूषण गगरानी का नाम भी लिखा हुआ है.

कांग्रेस का आरोप

सूफियान हैदर ने आरोप लगाया कि पिछले चार साल से बीएमसी में चुनाव नहीं हुए हैं और पूरी सत्ता मुख्यमंत्री के हाथ में है. इसके बावजूद, मुंबई की सड़कों का हाल बेहाल है. प्रदर्शन के दौरान हैदर ने बीएमसी के बजट पर सवाल उठाते हुए कहा, बीएमसी का सालाना बजट 74,000 करोड़ रुपए है, जिसमें से सिर्फ सड़कों के लिए 3,500 करोड़ रुपए का बजट है. फिर भी सड़कें बनने के तीन महीने बाद ही टूट जाती हैं.

खराब सड़कों के कारण हुए हादसे

इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि खराब सड़कों के कारण कई हादसे हुए हैं, जिनमें हजारों लोग घायल हुए और कई लोगों की मौत भी हुई है. कांग्रेस का कहना है कि अगर सरकार मुंबई को 'गड्ढा मुक्त' बनाने में विफल रही है, तो वे अब गड्ढों को नेता और मंत्रियों का नाम देकर इस समस्या को उजागर करेंगे.

यह प्रदर्शन बीएमसी चुनाव से पहले सरकार पर दबाव बनाने और मुंबईकरों का ध्यान इस समस्या की ओर खींचने की एक कोशिश मानी जा रही है. इस 'गड्ढे पॉलिटिक्स' से मुंबई में राजनीतिक माहौल गर्म हो गया है.

गड्ढों पर खर्च का विवरण

गड्ढों पर खर्च की बात करें तो बीएमसी ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के अपने बजट में गड्ढों की मरम्मत के लिए 79 करोड़ आवंटित किए हैं, जबकि सड़कों के व्यापक कांक्रीटीकरण पर भी ज़ोर दिया गया है, जिसका लक्ष्य मुंबई को गड्ढा मुक्त बनाना है. हालांकि, गड्ढों से निपटने के लिए पहले भी बड़ा बजट रखा गया था, फिर भी कुछ सड़कों पर अभी भी गड्ढे हैं.

गड्ढों के लिए आवंटन और योजनाएं

79 करोड़ का आवंटन (2025-26)

बीएमसी ने इस साल गड्ढों की मरम्मत पर खर्च करने के लिए ?79 करोड़ का बजट तय किया है।

व्यापक कांक्रीटीकरण

गड्ढों की संख्या को कम करने के लिए सड़कों का कांक्रीटीकरण एक मुख्य योजना है, और बीएमसी ने अब तक 1,333 किलोमीटर सड़कों का कांक्रीटीकरण किया है.

तकनीक का प्रयोग

गड्ढे भरने के लिए बीएमसी असफाल्ट और मास्टिक जैसी तकनीकों का इस्तेमाल करती है, और बारिश के दौरान एम-60 ग्रेड, हॉट मिक्स और कोल्ड मिक्स का प्रयोग भी करती है.

पहले के बजट और उनकी वास्तविकता

मुंबईकरों का तर्क है कि सड़कों के निर्माण से गड्ढों को भरने की आवश्यकता कम होनी चाहिए थी, लेकिन अभी भी गड्ढे मौजूद हैं.

बजट में वृद्धि

पहले के वर्षों में भी गड्ढों को भरने के लिए बड़े बजट रखे गए थे.उदाहरण के लिए, साल 2024 में मानसून से पहले सड़कों के गड्ढे भरने के लिए 110 करोड़ से अधिक खर्च किए गए थे.वहीं साल 2023 में मरम्मत लागत 25ङ तक बढ़ गई थी।

लोग अपनी बेटियों को नंदा के पास भेजते हैं, लेकिन जरंगे को ससुराल-सदावर्ते के तीखे बोल

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई(संवाददाता) ।राज्य में आरक्षण का मुद्दा गरमा गया है। मराठा आरक्षण की पृष्ठभूमि में, राज्य में हैदराबाद राजपत्र लागू हो गया है, लेकिन ओबीसी समुदाय हैदराबाद राजपत्र का विरोध कर रहा है, और ओबीसी के विरुद्ध मराठा समुदाय की एक तस्वीर देखने को मिल रही है। दूसरी ओर, अब धनगर समुदाय ने भी एसटी में आरक्षण की मांग को लेकर जालना में आंदोलन शुरू कर दिया है।

वरिष्ठ वकील गुणरत्न सदावर्ते जालना आए और धनगर आरक्षण के लिए आंदोलन शुरू करने वाले प्रदर्शनकारियों से मिले। इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने एक बार फिर मनोज जरंगे पाटिल पर हमला बोला और उन्हें खरी-खोटी भी सुनाई। जालना आते समय गुणरत्न सदावर्ते की गाड़ी पर हमले की कोशिश की गई, आरोप है कि मनोज जरंगे पाटिल के समर्थकों ने उन पर हमला किया, सदावर्ते ने भी इस पर प्रतिक्रिया दी है।

सदावर्ते ने आखिर क्या कहा?

जो संविधान नहीं जानते, वही ऐसे हमले करते हैं, मनोज जारंगे पाटिल के एजेंटों की पुलिस मुस्कुरा रही है। जिसका कोई नहीं, सदावर्ते में सदुण थे। मैं अपने धनगर भाइयों को आरक्षण दिलाने आया हूँ। मराठा भाई पिछड़े नहीं हैं, उन्हें ओबीसी में प्रवेश नहीं मिलेगा, ऐसा सदावर्ते ने इस दौरान कहा। इस बीच, आगे बोलते हुए उन्होंने जारंगे पाटिल पर भी तंज कसा है। लोग लड़कियों को सजने-संवरने के लिए भेजते हैं, लेकिन जारंगे पाटिल ने एक परंपरा शुरू की है। जारंगे खुद सजने-संवरने के लिए ससुरवाड़ी आए हैं, ऐसा सदावर्ते ने कहा है। जारंगे पाटिल ने ढोंग रचा, मराठा भाइयों को धोखा दिया। जारंगे, तुम्हारी गाँठ जल्द ही बाँधी जाएगी, सदावर्ते ने भी इस समय चेतावनी दी है। इस बीच, सदावर्ते ने जारंगे पाटिल को यह भी बताया है कि उनकी अगली मुलाक़ात अंतरवाली सारती में होगी।

सदावर्ते के वाहन पर हमले का प्रयास

इस बीच, जालना आते समय सदावर्ते के वाहन पर हमले का प्रयास किया गया, पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया है। आरोप लगाया जा रहा है कि मनोज जारंगे पाटिल के समर्थकों ने यह हमला किया।

सम्पादकीय

राहुल गांधी के आरोप और चुनाव आयोग की जवाबदेही - इस टकराव में जनता का भरोसा न टूट जाए

पारदर्शिता लोकतंत्र का जीवन है। जनता की ओर से प्रश्न उठना भी लोकतंत्र में एक स्वाभाविक और जरूरी प्रक्रिया है। साथ ही संदेहों और सवालों के जवाब अगर समय पर सामने आ जाएं, तो इससे देश में लोकतांत्रिक जड़ें मजबूत ही होंगी। मगर कई बार राजनीतिक उठा-पटक के बीच धुंध जब ज्यादा गहरी हो जाती है, तब विश्वास का संकट खड़ा होने की आशंका उपजती है।

इस लिहाज से देखें तो लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की ओर से पिछले कुछ समय से मतदाता सूची में हेरफेर को लेकर जिस तरह के सवाल उठाए जा रहे हैं, वे अब बहस का मुद्दा बन चुके हैं और आम लोगों के सामने एक तरह के ऊहापोह की स्थिति बनती जा रही है। ऐसे में जरूरी यह है कि चुनाव आयोग अपने स्तर पर सामने आकर इससे उपजे सभी तरह के संदेहों को दूर करे, ताकि मतदान की प्रक्रिया को लेकर विश्वसनीयता का संकट खत्म हो।

गौरतलब है कि गुरुवार को राहुल गांधी ने एक बार फिर मतदाता सूची से मतदाताओं के नाम हटाने को लेकर सवाल उठाया और कर्नाटक में आलंद निर्वाचन क्षेत्र का हवाला देते हुए कहा कि वहां किसी ने गलत तरीके से 6, 018 वोट हटाने की कोशिश की। मगर इस क्रम में चूंकि खुद बूथ-स्तरीय अधिकारी के संबंधी का वोट भी हट गया था, इसलिए उसकी जांच के बाद सिरे खुलते गए, जो बेहद चिंताजनक थे।

महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले में भी ऐसा ही मामला देखा गया। जाहिर है, मतदाता सूची से वैध मतदाताओं का नाम हटाने का यह आरोप बेहद गंभीर है और इसकी व्यापक जांच होनी चाहिए। मगर इस मसले पर निर्वाचन आयोग की ओर से फिर से एक संक्षिप्त जवाब आया कि इस तरह मतदाताओं का नाम हटाने को लेकर लगाए गए आरोप गलत और आधारहीन हैं।

कुछ समय पहले भी जब राहुल गांधी ने कर्नाटक में ही फर्जी मतदाताओं को सूची में जोड़ने का आरोप लगाया था, तब भी मुख्य चुनाव आयुक्त ने उसे खारिज कर दिया था। सवाल है कि मतदाता सूची में मतदाताओं के नाम फर्जी तरीके से जोड़ने या फिर हटाने के इस समूचे मामले को अब जिस तरह देखा जा रहा है, क्या आयोग के संक्षिप्त जवाब से इससे संबंधित आशंकाओं का निराकरण हो सकता है! दरअसल, जरूरत इस बात की है कि निर्वाचन आयोग इस मामले की व्यापक और निष्पक्ष जांच करा कर इससे संबंधित तथ्य जनता को उपलब्ध कराए, ताकि आम लोगों का विश्वास लोकतंत्र को मजबूती देने की प्रक्रिया में बना रहे।

विडंबना यह है कि संविधान में जिस मतदान के जरिए लोकतंत्र को सुरक्षित रखने की ठोस व्यवस्था की गई है, उसे सुनिश्चित करने के लिए तैयार होने वाली मतदाता सूची में गड़बड़ी के इतने गंभीर आरोप सामने आ रहे हैं और उस पर कोई स्पष्टता कायम होने के बजाय यह सवाल महज राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के दुश्चक्र में उलझता दिख रहा है।

इसी तरह, बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर भी आयोग के रुख पर सवाल उठ चुके हैं। आखिर यह नौबत कैसे और क्यों आई कि निर्वाचन आयोग पर देश के लोकतंत्र को कमजोर करने वाले तत्त्वों को बचाने के आरोप लगाए जा रहे हैं और इस पर आयोग के रुख की वजह से जनता के एक खासे हिस्से के बीच समूची चुनाव प्रक्रिया को लेकर आशंका खड़ी हो रही है। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि स्वच्छ और स्वतंत्र मतदान ही लोकतंत्र के बचे रहने की एकमात्र गारंटी है। साथ ही नागरिकों के मतदान का अधिकार सुरक्षित रहे, यह सुनिश्चित करना निर्वाचन आयोग की ही जिम्मेदारी है।

2025 के जीएसटी सुधार से 2030 तक टैक्स सिस्टम कैसा होगा और आपकी जेब तथा नौकरियों पर क्या असर पड़ेगा?

कुछ वर्षों से वस्तु और सेवा कर (जीएसटी) ढांचे में सुधार की मांग की जा रही थी। इसी के मद्देनजर केंद्र सरकार ने पिछले दिनों जीएसटी दरों को तर्कसंगत बनाने और कम करने की घोषणा की। जीएसटी परिषद की जिस बैठक में यह फैसला किया गया, उसकी अध्यक्षता केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने की। बैठक में जीएसटी सुधार की दृष्टि से जटिल कर प्रणाली को सरल और उपभोक्ता अनुकूल बना कर देश की आर्थिक प्रगति को नई दिशा देने का प्रयास किया गया। बारह फीसद और अट्ठाईस फीसद जीएसटी श्रेणी को समाप्त कर अब केवल दो श्रेणियां पांच फीसद और अठारह फीसद ही रखी गई हैं। एक नई श्रेणी चालीस फीसद की बनाई गई है, जो उन वस्तुओं पर लागू होगी, जिनसे स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ता है या जो विलासितापूर्ण हैं।

माना जा रहा है कि जीएसटी की नई दरों से न केवल आम नागरिकों को राहत मिलेगी, बल्कि व्यवसायों और विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को सशक्त बनाने में भी मदद मिलेगी। जीएसटी परिषद ने नई दरों को 22 सितंबर, 2025 से प्रभावी बनाने का निर्णय किया है। इसमें आम उपभोक्ता वस्तुओं (एफएमजीसी) जैसे साबुन, शैम्पू, टूथपेस्ट और खाद्य उत्पादों पर जीएसटी दर को बारह फीसद या अठारह फीसद से घटा कर पांच फीसद कर दिया गया है। इसी तरह सीमेंट, रेफ्रिजरेटर, वाशिंग मशीन और टीवी जैसे उत्पादों पर जीएसटी अट्ठाईस फीसद से घटा कर अठारह फीसद कर दिया गया है। इससे घरेलू सामान का मूल्य किफायती हो जाएगा और इससे मध्यम तथा गृहिणियों को काफी राहत मिलने की संभावना है।

इसी परिप्रेक्ष्य में यदि पिछले वर्षों में जीएसटी संग्रह और समस्याओं पर नजर डालें, तो वर्ष

2022-23 की तुलना में वर्ष 2023-24 के पहले नौ महीनों में इसमें 11.7 फीसद की वृद्धि दर्ज की गई। केंद्रीय जीएसटी की तुलना में राज्यों का संग्रह उच्च दर 15.2 फीसद से बढ़ा, जो राज्यों में मौजूद विविध उपभोग और खपत का स्वरूप बताता है। वैसे राज्यों के कर संग्रह में काफी असमानताएं भी हैं। उदाहरण के लिए मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे कुछ प्रदेशों में जीएसटी राजस्व में 17 फीसद से 18.8 फीसद की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जबकि गुजरात, पश्चिम बंगाल और आंध्र प्रदेश जैसे अन्य राज्यों में दस फीसद से कम वृद्धि हुई।

जीएसटी का व्यवसायों पर प्रशासनिक बोझ कम करने के लिए अनुपालन की प्रक्रियाओं को सरल और सुव्यवस्थित करने की जरूरत है। इसमें 'रिटर्न' भरने की प्रक्रिया में सामंजस्य स्थापित करना और समय पर 'रिफंड' सुनिश्चित करना भी शामिल है। कर चोरी-रोधी उपायों विशेष रूप से नकली चालान और कर चोरी रोकने के उपायों को मजबूत करने की आवश्यकता है। संदिग्ध लेनदेन की पहचान करने के लिए उन्नत डेटा और प्रौद्योगिकी का उपयोग करने की लंबे समय से जरूरत महसूस की जा रही थी। नई कर संरचना से इन समस्याओं का समाधान होगा, ऐसी उम्मीद की जा रही है। सबसे जरूरी बात यह है कि कुछ वर्षों का अनुभव बताता है कि सरकार द्वारा दी गई राहतों का लाभ अंतिम पंक्ति के उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंचता है।

वस्तुओं के उत्पादक या मध्यस्थ अपने निजी स्वार्थों को पूरा करने के लिए इस छूट का लाभ व्यापक स्तर पर पहुंचाने को तवज्जो नहीं देते हैं। जीएसटी दरों में कमी के मामले में भी यह समस्या बाधा बन सकती है। इसे ध्यान में रखते हुए सरकार ने यह सुनिश्चित करने के लिए कड़े कदम उठाए हैं, ताकि दरों में कमी का लाभ सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचे।

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड ने क्षेत्रीय कार्यालयों को निर्देश दिया है कि वे रोजमर्रा की जरूरी वस्तुओं के मूल्यों पर नजर रखें। इसकी पहली मासिक रपट 30 सितंबर, 2025 तक और उसके बाद हर महीने की बीस तारीख तक जमा करनी होगी। इस रपट में वस्तु का नाम, ब्रांड और 22 सितंबर से पहले और बाद का अधिकतम खुदरा मूल्य शामिल होगा। इस तरह की व्यवस्था और पारदर्शिता उपभोक्ताओं को वस्तुओं की कम कीमतों की स्पष्ट जानकारी देगी। केंद्र सरकार इस वर्ष दिसंबर तक जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरण स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह न्यायाधिकरण विवादों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करेगा, जिससे कारोबारियों और नागरिकों के लिए पारदर्शिता एवं विश्वास का माहौल बनेगा।

वहीं, जीएसटी दरों में बदलाव के बाद पुराने माल पर नई कीमतें लागू करना कंपनियों के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है। सरकार ने इस समस्या का समाधान करते हुए कंपनियों को अनुमति दी है कि वे पुराने माल पर स्टिकर, मुहर या आनलाइन प्रिंटिंग के जरिए संशोधित अधिकतम खुदरा मूल्य दर्शा सकती हैं, लेकिन इसके साथ पहले का मूल्य भी दर्शाना होगा।

इसके अलावा, अप्रयुक्त पैकेजिंग सामग्री का उपयोग 31 दिसंबर, 2025 तक करने की छूट दी गई है। कंपनियों को नए मूल्यों की जानकारी दुकानदारों, राज्य सरकारों, संबंधित केंद्रीय विभागों और उपभोक्ताओं तक पहुंचानी होगी। इसके लिए कम से कम दो समाचारपत्रों में विज्ञापन देना अनिवार्य होगा। इस कदम का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि उपभोक्ता मूल और संशोधित कीमतों के बीच अंतर को समझ सकें, जिससे पारदर्शिता बनी रहे।

जीएसटी में इस सुधार बाद एमएसएमई को सरलीकृत अनुपालन, एआइ-संचालित निगरानी और त्वरित 'रिफंड' प्रक्रिया के जरिए सशक्त बनाने की कोशिश है। यह छोटे व्यवसायों को नवाचार और विस्तार का अवसर भी देता है। विशेष रूप से, महिला उद्यमियों के लिए सरलीकृत जीएसटी और आसान ऋण सुविधाओं ने नए द्वार खोले हैं। महिला-नेतृत्व वाले सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग अब रोजगार सृजन और नवाचार में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। सीमेंट पर जीएसटी अट्ठाई फीसद से घटा कर अठारह फीसद करने से आवास और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की लागत कम होगी। यह कदम न केवल नए रोजगार सृजित करेगा, बल्कि 'राष्ट्र-निर्माण' के मिशन को भी गति देगा।

इसी तरह, छोटी कारों और मोटरसाइकिलों पर जीएसटी में कटौती ने इन्हें पहली बार खरीदने वालों, खासकर युवाओं के लिए किफायती बनाया है। इससे वाहन निर्माण क्षेत्र में मांग बढ़ेगी और रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। दूसरी ओर, कर दरों में बदलाव से बारह फीसद की श्रेणी से अठारह फीसद की श्रेणी में जाने वाली आम जनजीवन के लिए जरूरी कई वस्तुएं महंगी हो जाएंगी। इसका सबसे बड़ा उदाहरण कागज है। इसे बारह फीसद की जगह अठारह फीसद की श्रेणी में डाल दिया गया है। इससे कागज के मूल्य में करीब छह फीसद की वृद्धि हो जाएगी। नतीजा यह कि कापी-किताबें महंगी हो जाएंगी। इसका सीधा असर शिक्षा पर पड़ेगा।

ऐसे में कागज को अठारह फीसद के स्थान पर पांच फीसद की श्रेणी में लाना जरूरी है। इसके अलावा भी जो वस्तुएं आम जनजीवन के लिए जरूरी हैं, उन्हें भी पांच फीसद की श्रेणी में रखने की आवश्यकता है। जीएसटी में नए सुधारों के परिप्रेक्ष्य में यह देखना बहुत जरूरी है कि इसके अंतर्गत दी गई कर छूट का लाभ अंतिम उपभोक्ता तक पहुंचे। इसके लिए सरकार ने जो भी प्रावधान किए हैं, उनके अनुपालन और निगरानी की समुचित व्यवस्था की जानी चाहिए।

त्वरित, कठोर और समयानुकूल निर्णय क्षमता ही है नरेन्द्र मोदी की पहचान

मार्निंग कंसल्ट की वैश्विक मंच पर लोकप्रियता के ताजातरीन सर्वे में एक बार फिर 75 वर्षीय नरेन्द्र दामोदर दास मोदी की लोकप्रियता या यों कहें कि एप्रूवल रेट 75 प्रतिशत रही है। यह विश्व के अन्य नेताओं की तुलना में कहीं अधिक है तो दूसरी और पिछले दिनों प्यू रिसर्च की रिपोर्ट में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर भरोसा जताने वाले केवल 40 प्रतिशत लोग ही रह गए और इनमें भी केवल मात्र 15 फीसदी ही ऐसे लोग है जो पूरी तरह से ट्रंप पर भरोसा कर रहे हैं। चुनाव के समय 81 प्रतिषत भरोसे लायक नेता पर 40 प्रतिशत अमेरिकीयों का भरोसा और इनमें से भी 25 प्रतिशत का थोड़ा भरोसा तो केवल 15 प्रतिशत अमेरिकी ही ट्रंप पर पूरी तरह से भरोसा जता रहे हैं। 59 प्रतिशत अमेरिकीयों को तो ट्रंप पर अब बिलकुल भी भरोसा नहीं रहा है। एक बात और साफ हो जानी चाहिए कि मार्निंग कंसल्ट के इस सर्वे में दूसरे पायदान पर रहने वाले दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति लीजे म्युंग को 59 प्रतिशत और अर्जेटिना के राष्ट्रपति जेवियर मिलेई को 57 प्रतिशत का एप्रूवल मिला है। दरअसल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की एप्रूवल देश में ही नहीं विदेशों में भी एक दंबग नेता और साफ सुथरी छवि के कारण है। इसके साथ ही कूटनीति, तकनीक, रक्षा, अर्थव्यवस्था और किसी के सामने नई झुकने की जीद ने और अधिक लोकप्रियता बढ़ा दी है। सबसे खासबात यह है कि विरोधी चाहे कितना भी शोर मचाये इसमें कोई दो राय नहीं और इससे भी बढ़कर कि आपरेशन सिन्दुर को लेकर देशवासियों और विदेशियों किसी को भी नरेन्द्र मोदी और सेना के कथन पर किसी तरह का कोई संदेह नहीं है। देर सबेर और गाहे बेगाहे पाकिस्तान तक ऑपरेशन सिन्दुर की टीस को व्यक्त कर ही देता है। ऐसे में विरोधियों द्वारा ऑपरेशन सिन्दुर पर जिस तरह से नकारात्मकता व्यक्त की जाती हैं वह कहीं ना कहीं मोदी और मोदी सरकार की विश्वसनीयता को और अधिक बढ़ाने में ही सहायक है। यह बात इसलिए भी महत्वपूर्ण हो जाती है कि नरेन्द्र मोदी अपनी जीवन की अमृतवेला मना रहे है। 75 साल के नरेन्द्र मोदी जिस अदम्य साहस और दृढ़ता का परिचय दे रहे हैं और खासतौर से जिस तरह से अमेरिका और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ के आगे झुकने से पूरी तरह नकार कर लगता है अब तो ट्रंप को ही झुकने को मजबूर होने जैसे हालात कर दिए हैं। ट्रंप शायद भूल गए कि यह आज का और मोदी का हिन्दुस्तान है।

आज मोदी के भारत को दुनिया का कोई देश या दुनिया का कोई नेता हल्के में नहीं ले सकता। इसका कारण भी है भारत आज आंख में आंख डाल कर बात करने की हैसियत रखता है। ट्रंप की बौखलाहट से इसे आसानी से समझा जा सकता है। दरअसल आज के दौर में वैश्विक नेता के रुप में बोल्ड होने, एग्रेसिव होने, कठोर व त्वरित निर्णय लेने वाले नेता लोगों की पसंद बनते जा रहे हैं। अच्छे बुरे परिणाम की चिंता कर निर्णय की उहापोह में फंसे नेता आज के लोगों की पसंद हो ही नहीं सकते। इसका बड़ा कारण दुनिया में वैश्विक संकटों का दौर चलना है। पर यह भी समझ लेना होगा कि दुनिया के लोग ट्रंप जैसे अंहकारी, तुगलकी निर्णय करने वाले, गली मौहल्ले के दादाओं जैसे व्यवहार करने वाले और अपने नासमझी भरे निर्णयों और फिर उन निर्णयों पर मुहं की खाने वाले नेताओ को भी पसंद नहीं करते। संकटों के दौर में लोगों का यह मानना रहता है कि हमें आलोचना प्रत्यालोचना या आगा पीछा सोच कर निर्णय लेने वाला नहीं अपितु त्वरित और कठोर निर्णय लेने वाला नेता चाहिए। और इसमें कोई दो राय नहीं कि नरेन्द्र मोदी इस पर खरे उतरे हैं।

जहां तक देश और देश में मोदी विरोधियों की बात है तो यह भी अब तक साफ हो गया है कि मोदी के विरोध में जो जो नारे गढ़े गए या अभियानों में जो मोदी विरोध की आवाज बने वह सब विरोधियों पर ही भारी पड़े है। इसकी शुरुआत 2007 में गोदरा कांड के बाद चुनाव के बाद का नारा मौत का सौदागर हो या आज चौकीदार चोर है सभी नारे उल्टे पड़े हैं और देशवासियों ने इन्हें सिरे से नकारा है। चौकीदार चोर है का उत्तर देते हुए स्वयं मोदी ने इसका उपयोग मैं भी चौकीदार का जबावी नारा देकर उत्तर दिया। नारों की यह एक लंबी फेहरिस्त है जिससे देशवासी अवगत है। अब आज वोट चोर गद्दी छोड़ का नारा लगाकर या संविधान बचाओं का नारा देकर मोदी विरोध में हवा बनाने व बिहार आदि के चुनाव जीतने का सपना पाल रहे हैं पर कहीं पहले की तरह सेल्फ गोल ही साबित ना हो जाये इससे नकारा नहीं जा सकता। राममंदिर, कश्मीर में धारा 370 हटाने, कश्मीर युवाओं को मुख्यधारा में लाने, ऑपरेशन सिन्दुर, एयर स्ट्राइक, जनधन खाते, डिजिटल भुगतान, जन औषधी केन्द्र, आयुष्मान योजना, गिग इकोनोमी, रक्षा आयुधों का देश में ही उत्पादन व निर्यात, एमएसएमई सेक्टर, स्टार्टअप, यूनिकोर्न, विदेशी निवेश, सडक परिवहन विकास, आदि आदि सभी क्षेत्रों में विकास का जो दौर दिखाई दे रहा है यह ठोस और त्वरित योजनाबद्ध निर्णयों का ही परिणाम है। यह तो केवल बानगी मात्र है। आज आतंकवादी गतिविधियां लगभग समाप्त हो गई, नक्सलवादी गतिविधियां दिखाई नहीं दे रही हैं, सांप्रदायिकता पर रोक लगी है, पत्थरबाजी नहीं दिखती, सपाट यातायात दिखाई दे रहा है यह और इसके अलावा भी बहुत कुछ सामने हैं।

एक बात साफ हो जानी चाहिए कि विश्वसनीयता एक दिन में या एक काम से नहीं बनती। इसके साथ ही केवल व्यक्ति विशेष को निशाना बनाने से भी कोई खास हासिल नहीं हो सकता। अच्छे को अच्छा और बुरे को बुरा कहने की आदत डाले तो शायद आमजनता में अधिक प्रभावी तरीके से अपनी बात रख कर लोगों को अपने पक्ष में किया जा सकता है। जब राष्ट्रीय अस्मिता पर और सेना के पराक्रम को प्रश्नों में उभारा जाता है तो लाख कमियों के बावजूद सच्चा राष्ट्रप्रेमी नागरिक इसे स्वीकार नहीं पाता। यही कारण है कि मोदी जी को जितना निशाना बनाया जाता है मोदी उस निशाने से और अधिक निखार के साथ उभरते आ रहे हैं। आज जब ट्रंप भारत की अर्थ व्यवस्था को नकारते हैं तो यह देशवासियों के गले उतरने वाली बात नहीं होती। इसी तरह से जब ऑपरेशन सिन्दुर पर प्रश्न चिन्ह उठाया जाता है तो आमजन इसे देश के खिलाफ आवाज और सेना के असम्मान के रुप में देखता है। जब संविधान की प्रति उठाकर संविधान बचाओ की बात करते हैं तो उनकी सरकार के समय ही संसद से पास अधिसूचना को सार्वजनिक रुप से फाड़ने को याद करते हैं। जीएसटी को लेकर प्रश्न उठाते हैं तो आज इससे मिल रही राहत को जनता कैसे नकार सकती है। इसलिए सकारात्मक विरोध के साथ आगे आकर ही मोदी और मोदी की नीतियों का पार पा सकते हैं।

संसद और विधानसभाओं में गतिरोध का दौर चलता है, खुली चर्चाएं हो नहीं पाती, सत्र सालों साल छोटे होते जा रहे हैं। आधी आधी रात तक होने वाली चर्चाएं अब बीते दिनों की बात हो गई है तो ऐसे में केवल आरोप प्रत्यारोप के भरोसे मोदी पर जीत की बात करना बेमानी होगा। दूसरी बात यह कि हम बड़ी लकीर खींच कर ही दूसरी लकीर को छोटी बता सकते हैं हो इसका उल्टा रहा है और प्रयास लकीर से ही छेड़ छेड़ कर छोटी दिखाने के प्रयास किये जाते हैं तो यह गले नहीं उतरती। यह सब समझने वाली बात हो गई है। मोदी जी की अमृत वेला में शतायु होने की कामना के साथ आज देश उनकी और देख रहा है। ऐसे में मोदी जी के नेतृत्व और निवृति की बात करना पूरी तरह से बेमानी होगी। देश को अभी मोदी जी और उनके जैसे नेतृत्व की आवश्यकता है जिससे आजादी के शताब्दी वर्ष तक देश विश्व की सबसे बड़ी ताकत बन कर उभर सके।

जब डोनाल्ड ट्रंप की नीतियां भारत के खिलाफ़ हैं तो फिर मोदी की नीतियां अमेरिकी हितों पर चोट क्यों न दें?

जब भारत के गांवों में किसी से विवाद बढ़ने पर और घात-प्रतिघात की परिस्थितियों के पैदा होने पर पारस्परिक हुक्का-पानी या उठक-बैठक, खान-पान बन्द करने के रिवाज सदियों से चलते आए हैं, तो फिर वैश्विक दुनियादारी में हमलोग इसे लागू क्यों नहीं कर सकते, ताकि हमारे मुकाबिल खड़े होने वाले देशों को ठोस नसीहत मिल सके। वहीं, अक्सर यह भी कहा जाता है कि जो ज्यादा तेज बनता है वह तीन जगहों पर बदबू फैलाता है। जबकि चतुर व्यक्ति की कोशिश रहती है कि वह तीनों जगहों पर अपनी गमक व महक छोड़े। अव्वल दर्जे पर रूस, अमेरिका और चीन, के साथ भारतीय सम्बन्धों पर, फ्रांस, इजरायल, जापान जैसे दूसरे दर्जे के महत्वपूर्ण देशों के साथ भारतीय सम्बन्धों पर, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया जैसे तीसरे महत्वपूर्ण देशों के साथ भारत के सम्बन्धों पर भी यही बात लागू होती है।

यूँ तो पड़ोसी देशों से जुड़ी हमारी नीतियों में, मुस्लिम बहुल अरब देशों से जुड़ी हमारी नीतियों में, आशियान देशों से जुड़ी हमारी नीतियों में, जी-सेवन, ब्रिक्स, जी-20, एससीओ, नाटो, मध्य एशिया, यूरोप, दक्षिण-पूर्व एशिया से जुड़ी लुक ईस्ट की नीतियों या फिर संयुक्त राष्ट्र संघ से जुड़े भारतीय नीतियों के दृष्टिगत हमारी गुटनिरपेक्ष सोच सदैव सराहनीय रही है, लेकिन जब हम अपने वैश्विक संरक्षक रूस के साथ, दुःख के दोस्त/मददगार इजरायल के साथ खुलेआम खड़े होने से हिचकते हैं तो कहीं न कहीं अशांति को प्रश्रय देते हैं और भारत के साथ मित्रता का छल रचने वाला अमेरिका यही तो चाहता है।

अमेरिका, यूरोप को साथ लेकर जब भी रूस को दबाना चाहे तो हमें खुलेआम रूस के साथ खड़ा होना चाहिए, ताकि अमेरिका संभल जाए। इसी प्रकार जब इजरायल को अरब देश दबाना चाहें तो हमें इजरायल को संरक्षण देना चाहिए, ताकि अरब देश सुधर जाएं। इसी प्रकार जब चीन भारत के पड़ोसियों में दिलचस्पी ले, आशियान देशों, अरब देशों, यूरोपीय देशों, अफ्रीकी देशों में अपनी पैठ बढ़ाए तो जापान, रूस, दक्षिण अफ्रीका और ब्राजील को साधकर संतुलित प्रतिरक्षात्मक नीति अपनाए। क्योंकि अमेरिका और चीन हमारे साथ शत्रुतापूर्ण चालें हमेशा चलते रहेंगे। पाकिस्तान परस्त तुर्की, अमेरिका परस्त सऊदी अरब आदि कभी हमारे स्वाभाविक मित्र नहीं हो सकते। इसलिए वैश्विक कूटनीति में रूस, इजराइल, जापान, दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील, इंग्लैंड, फ्रांस, जर्मनी आदि देशों के कूटनीतिक व प्रतिरक्षात्मक महत्व हैं, जिसके दृष्टिगत ही हमें कोई भावी कदम बढ़ाने चाहिए।

इसके लिए हमें पाकिस्तान और बंगलादेश जैसे इस्लामिक दुश्मनों के दिनदहाड़े सफाए की योजना हमें बनानी पड़ेगी। अफगानिस्तान, नेपाल, भूटान, म्यांमार, श्रीलंका, मालदीव, कम्बोडिया, थाईलैंड आदि पड़ोसी देशों को दुनियावी लाभ देकर पटाये रखना चाहिए और इन्हें भारतीय परिसंघ में शामिल करने योग्य कूटनीति अपनानी चाहिए। जिस तरह से रूस (यूएसएसआर) विरोधी नाटो की तर्ज पर इजरायल विरोधी इस्लामिक नाटो बना है, उसके दृष्टिगत हिन्दू और बौद्ध बहुल देशों को एकजुट करके भारतीय परिसंघ बनाना होगा, ताकि जब अमेरिका या चीनी इशारे पर भारत के खिलाफ इस्लामिक देश एकजुटता दिखाएं तो दक्षिण-पूर्व एशियाई बौद्ध देश भारत की मदद करें। इसी नजरिए से चीन से भी चतुराई पूर्वक सम्बन्ध बनाए रखना भारत के हित में होगा। वहीं, इजरायल को सहयोग देकर इनके मन में भय बनाए रखना होगा कि भारत अकेले नहीं है। हमारी विशाल आबादी और रूसी-इजरायल तकनीकी सहयोग दुनिया के किसी भी हिंसक गठबंधन पर भारी पड़ेंगे।

कहना न होगा कि एक ओर जहां चीन-भारत से निपटने के लिए अमेरिका ईसाई, यहूदी और इस्लाम को एकजुटता प्रदान करने वाले अब्राहम परिवार को बढ़ावा दे रहा है, वहीं, पाकिस्तान के सहयोग से इस्लामिक देशों को एकजुट करके भारत को भयभीत रखना चाहता है। चूंकि पाकिस्तान पर चीन का हाथ है, अमेरिका विरोधी ईरान से चीनी सांठगांठ है, इसलिए भारत को अतिशय सावधान रहने की जरूरत है। जिस तरह से अमेरिका ने रूसी तेल खरीददारी के दृष्टिगत भारत पर अप्रत्याशित तरीके से टैरिफ बढ़ाकर मित्रघाती होने का परिचय दिया, उसी तरह से अब ईरान के भारतीय हित वाले चाबहार बंदरगाह को प्रतिबंधों से दी गई छूट वापस ले ली है। भले ही ऐसा करके ट्रंप प्रशासन ईरान पर दबाव बनाना चाहता है, लेकिन इससे भारत को भी बड़ा झटका लगेगा। देखा जाए तो 50 प्रतिशत टैरिफ थोपने के बाद अमेरिका का यह एक और भारत विरोधी कदम है, जिससे चीन को परोक्ष मदद मिलेगी और भारतीय हितों को चोट पहुंचेगी।

देखा जाए तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दूसरी बार सत्ता संभालने के साथ ही चाबहार को मिली छूट खत्म करने के एग्जिक्यूटिव ऑर्डर पर साइन कर दिए थे। पर अब आगामी 29 सितंबर से इसे लागू करने का आदेश जारी हुआ है। इसके बाद अगर कोई कंपनी या संस्था चाबहार के संचालन में शामिल होती है, तो उस पर भी अमेरिकी प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। यह भारतीयों के दूरगामी हितों के खिलाफ दूसरी महत्वपूर्ण कार्रवाई है। उसमें भी खास बात यह कि भारत इस बंदरगाह (पोर्ट) पर अरबों रुपये का निवेश कर चुका है और यहां एक टर्मिनल भी बना रहा है। लेकिन अब अमेरिकी प्रतिबंधों की वजह से उसके लिए यहां काम करना मुश्किल हो सकता है। इससे भारत का निवेश भी डूब सकता है।

सच कहूं तो ईरान के चाबहार पोर्ट का मामला भी बहुत कुछ रूसी तेल जैसा है। जब यूक्रेन युद्ध रोकने के लिए रूस पर अमेरिका दबाव नहीं बना पाया, तो उसने तेल के व्यापार पर भारत और चीन पर दोष डालना शुरू कर दिया। यही कहानी ईरान के साथ है। पिछले दिनों इस्राइल-ईरान टकराव और उसमें अमेरिकी दखल के बावजूद तेहरान झुकने को तैयार नहीं हुआ था, तो अब मैक्सिमम प्रेशर की बात कही जा रही है। चाबहार पर बैन उसी अमेरिकी रणनीति का हिस्सा है। यह भी रूस जैसा मामला ही है और ईरान के साथ रूस और भारत दोनों के सम्बन्ध बेहतर हैं। इसलिए अमेरिका ने इसे अपना दूसरा निशाना बनाया है। इससे जाहिर है कि अमेरिका निज लक्ष्यप्राप्ति के लिए हरसंभव दांव चलेगा और भारत अमेरिकी भूलभुलैया में आज नहीं तो कल अवश्य फंसेगा!

कहना न होगा कि भारत के लिए चाबहार पोर्ट का रणनीतिक और कारोबारी महत्व है। भारत के लिए चाबहार बंदरगाह की अहमियत व्यापार से अधिक रणनीतिक यानी प्रतिरक्षात्मक है। यह पोर्ट उसे पाकिस्तान को बाईपास कर सीधे अफगानिस्तान, मध्य एशिया तक पहुंच देता है। वहीं, चाबहार पोर्ट उस इंटरनैशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर का अहम हिस्सा है, जिसकी शुरुआत भारत, रूस और ईरान ने मिलकर की थी। यदि इसे सड़क और रेल नेटवर्क से जोड़ दिया जाए, तो यह कॉरिडोर सीधे यूरोप तक पहुंचने का आसान, सस्ता और छोटा रास्ता देता है।

वहीं, परिवर्तित अमेरिकी नीति में चीन का फायदा दृष्टिगोचर हो रहा है। क्योंकि चाबहार पोर्ट पर बैन से भारत या ईरान नहीं, बल्कि खुद अमेरिका पर भी असर डाल सकता है। क्योंकि इस पोर्ट को पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाह का जवाब माना जा रहा है, जो चीन के महत्वाकांक्षी बीआरआई प्रॉजेक्ट का हिस्सा है। ऐसे में यदि इस क्षेत्र से भारत हटा, तो सीधा फायदा चीन को होगा। इससे वॉशिंगटन की वजह से पेइचिंग को रणनीतिक व्यापारिक बढ़त मिल जाएगी। इसलिए यह ट्रंप एडमिनिस्ट्रेशन की सबसे बड़ी खामी कही जाएगी कि विरोधियों पर पकड़ बनाने की उसकी हर कोशिश उसके ही दोस्तों को नुकसान पहुंचाती है। लगता है कि वह अब ठान चुका है कि अमेरिका की कीमत पर किसी को आगे नहीं बढ़ने देगा, अंजाम चाहे जो भी हो। भारत को इससे ज्यादा सावधान रहने की जरूरत है।

पुलिस उपायुक्त नगर द्वारा थाना सिविल लाइंस का भ्रमण कर 'मिशन शक्ति-5.0' के अंतर्गत स्थापित 'मिशन शक्ति केंद्र' का निरीक्षण किया गया तथा संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

मंडलायुक्त एवं पुलिस आयुक्त ने मिशन शक्ति 5.0 अभियान के तहत महिला पुलिस द्वारा निकाली गई बाइक रैली को झंडी दिखाकर किया रवाना

रैली के माध्यम से महिला सुरक्षा व जागरूकता का दिया गया संदेश

प्रयागराज। मंडलायुक्त श्रीमती सौम्या अग्रवाल, पुलिस आयुक्त जोगेंद्र कुमार ने रविवार को नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन को समर्पित ''मिशन शक्ति -5.0'' (22 सितंबर से 24 दिसंबर 2025) के अंतर्गत पुलिस लाइन से महिला पुलिस आरक्षी द्वारा निकाली गई बाइक रैली को झंडी दिखाकर रवाना किया। मंडलायुक्त ने कहा कि बाइक रैली के माध्यम से कानून व्यवस्था, महिला सुरक्षा एवं महिला सशक्तिकरण का संदेश दिया जाएगा। जनपद में मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत महिला सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण के बारे में जानकारी दिए जाने हेतु विभिन्न विभागों, स्वयं सहायता समूह व अन्य के सहयोग से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

रैली के दौरान महिला पुलिस कर्मियों ने आमजन को मिशन शक्ति अभियान की जानकारी दी और शासन की विभिन्न योजनाओं व हेल्पलाइन नंबरों को साझा किया। महिला सुरक्षा और जागरूकता का संदेश आमजन तक पहुँचाने वाली इस रैली ने महिलाओं में आत्मविश्वास और निर्भीकता की भावना को और प्रबल किया। नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन को समर्पित ''मिशन शक्ति -5.0'' का शुभारंभ मा. मुख्यमंत्री जी द्वारा शनिवार को प्रदेश के सभी 1647 थानों पर नव स्थापित मिशन शक्ति केंद्रों का बटन दबा कर उद्घाटन तथा मिशन शक्ति केंद्रों से संबंधित एसओपी पुस्तिकाओं का विमोचन किया था। प्रदेश में ''मिशन शक्ति-5.0'' के अंतर्गत शक्ति के पंच प्रवाह-सुरक्षा, सम्मान, स्वावलंबन, स्वास्थ्य तथा सशक्तिकरण पर कार्य किया जा रहा है।

इस अवसर पर जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा सहित पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी गण उपस्थित रहे।

माँ दुर्गा की साधना से मिलेगा जीवन में शक्ति और समृद्धि - ज्योतिषाचार्य कावेरी मुखर्जी

प्रयागराज। नवरात्रि का पर्व शक्ति की उपासना और आत्मबल को जागृत करने का अद्भुत अवसर है। ज्योतिषाचार्य कावेरी मुखर्जी ने कहा कि इस पावन अवसर पर माँ दुर्गा के नौ स्वरूपों की आराधना से साधक को जीवन में सफलता, सुख और समृद्धि प्राप्त होती है।

उन्होंने बताया कि इस बार की नवरात्रि विशेष फलदायी है। जो भी साधक श्रद्धा और भक्ति से देवी माँ की पूजा करेगा, उसके जीवन में सकारात्मक ऊर्जा और नई संभावनाएँ खुलेंगी। परिवार में शांति, स्वास्थ्य और समृद्धि के लिए माँ दुर्गा का ध्यान व दुर्गा सप्तशती का पाठ करना शुभफलदायी रहेगा।

ज्योतिषाचार्य कावेरी मुखर्जी ने लोगों से अपील की कि नवरात्र के दिनों में संयम, सत्य और भक्ति को अपनाकर माँ दुर्गा के चरणों में ध्यान लगाएँ और देश-समाज की समृद्धि व कल्याण की प्रार्थना करें।

सेवा पर्व के तहत स्वच्छता पर लोकगीत एवं नौटंकी का आयोजन

प्रयागराज। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत रविवार को सेवा पर्व के तहत विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर स्वच्छता के महत्व को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से प्रयागराज के विभिन्न स्थलों पर लोकगीत एवं नौटंकी की प्रस्तुति दी गई।

मोहनलाल एवं उनके दल ने लोकधुनों और पारंपरिक कला रूपों के माध्यम से स्वच्छता का संदेश प्रस्तुत किया। लोकगीतों की सरस प्रस्तुति ने श्रोताओं का मनोरंजन किया और स्वच्छता को जीवन का हिस्सा बनाने की प्रेरणा भी दी। वहीं, नौटंकी की प्रभावशाली अदायगी ने समाज में गंदगी से होने वाले दुष्प्रभाव और साफ-सफाई के लाभों को सरल भाषा में समझाया।

कार्यक्रम की कड़ी में केंद्र द्वारा इंदिरा चौराहे की साफ-सफाई का विशेष अभियान भी चलाया गया। यह अभियान 25 सितम्बर तक चलेगा त

केंद्र निदेशक सुदेश शर्मा ने बताया कि इस प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम जनजागरूकता का प्रभावी माध्यम हैं और स्वच्छता के संदेश को व्यापक स्तर पर पहुँचाने में सहायक सिद्ध होंगे।

ब्रह्माकुमारीज द्वारा मनाया गया कृतज्ञता पर्व , दी गई पुर्वजों को श्रद्धांजलि

प्रयागराज। ब्रह्माकुमारीज के द्वारा पितृपक्ष के समापन के उपलक्ष्य में पुर्वजों को श्रद्धांजलि देने के लिए कृतज्ञता पर्व का आयोजन मुख्य सेवा केंद्र सद्भावना भवन में किया गया।

सभा को संबोधित करते हुए ब्रह्माकुमारीज की क्षेत्रीय निदेशिका मनोरमा दीदी ने बताया कि सनातन संस्कृति में हम अपने पूर्वजों के आशीर्वाद को अपने जीवन की उन्नति के लिए बहुत आवश्यक मानते हैं। हमारे बड़े, सारा जीवन निःस्वार्थ भाव से हमारी पालना करते हैं, यहां तक कि इस काया से प्रस्थान होने के बाद भी उनकी शुभकामनाएं हमारे ऊपर बनी रहती हैं इसलिए हम सभी को अपने पुर्वजों के प्रति कृतज्ञ होना और कृतज्ञता प्रकट करना अति आवश्यक है। जिसके लिए ही भारतीय संस्कृति में पितृपक्ष का प्रयोजन है। कार्यक्रम में सामूहिक रूप से सभी ने पूर्वजों के लिए योग किया एवं सामूहकि भोग रखा गया।

अपर पुलिस आयुक्त कानून-व्यवस्था कमिश्नरेट प्रयागराज अजय पाल शर्मा द्वारा त्रिवेणी सभागार रिजर्व पुलिस लाइन्स प्रयागराज में एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली(घ्ेंए) के सम्बन्ध में बैठक आयोजित की गयी। जिसमें पुलिस उपायुक्त यमुनानगर, पुलिस उपायुक्त नगर, अपर पुलिस उपायुक्त नगर/गंगानगर तथा सहायक पुलिस आयुक्त एवं थाना प्रभारी व आईजीआरएस कर्मचारीगण उपस्थित रहें। सम्बन्धित को एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली(घ्ेंए) के तहत प्राप्त प्रार्थना पत्रों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

थरवई प्राचीन दुर्गा मंदिर पर दुर्गा पूजा जागरण समारोह 22 सितंबर से

थरवई। क्षेत्र के प्राचीन दुर्गा माता मंदिर परिसर में इस वर्ष भी भव्य दुर्गा पूजा जागरण समारोह का आयोजन किया जाएगा। आयोजन समिति के अनुसार कार्यक्रम की शुरुआत 22 सितंबर से होकर 1 अक्टूबर तक प्रतिदिन भक्ति भाव और विधि-विधान के साथ होगी। इस दौरान मां दुर्गा की आराधना, पूजा-अर्चना एवं जागरण का सिलसिला चलता रहेगा।आयोजकों ने बताया कि 2 अक्टूबर को विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। कार्यक्रम को लेकर मंदिर प्रांगण में साफ-सफाई, साज-सज्जा एवं व्यवस्थाओं की तैयारियां जोर-शोर से की जा रही हैं। आयोजन समिति के सज्जन द्विवेदी और सुनील मिश्रा ने संयुक्त रूप से उक्त जानकारी दी।

आपसी सौहार्द के साथ मनाया जाएगा आगामी त्यौहार-डीएम

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी एवं पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार ने उदयन सभागार में आगामी त्यौहार को सकुशल व शांतिपूर्ण सम्पन्न कराने के लिए संबंधित अधिकारियों/संभ्रांत नागरिकों के साथ बैठक की जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने उप जिलाधिकारियों, क्षेत्राधिकारियों एवं थाना प्रभारियों से अब तक की गई कार्यवाहियों/तैयारियों-पीस कमेटी की बैठक, दुर्गा पूजा सुरक्षा समिति व निरोधात्मक कार्यवाहियों आदि की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने संभ्रांत नागरिकों से उनकी समस्याओं/सुझावों को प्राप्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल समस्याओं को निस्तारित करने के निर्देश दिए। संभ्रांत नागरिकों ने कहा कि आगामी त्यौहार आपसी सौहार्द के साथ मनाया जाएगा, कहीं भी कोई अप्रिय घटना नहीं होने दी जाएगी जिलाधिकारी ने सभी अधिशासी अधिकारियों एवं जिला पंचायतराज अधिकारी को जनपद में प्रतिमा स्थापित स्थलों के आसपास साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने प्रतिमा विसर्जित होने वाले तालाबों की भी साफ-सफाई कराने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिशासी अभियंता, विद्युत से कहा कि प्रतिमा स्थापित स्थलों एवं जुलूस मार्गों पर आवश्यकतानुसार विद्युत तारों को ऊंचा करा दिया जाय तथा पर्याप्त विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाय। उन्होंने कहा कि यातायात की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित की जाय। उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारी से कहा कि त्यौहारों पर सामुदायिक/प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को अलर्ट रखा जाय। उन्होंने उप जिलाधिकारियों, क्षेत्राधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को संवेदनशील क्षेत्रों में रूट मार्च करने के भी निर्देश दिए जिलाधिकारी ने संभ्रांत नागरिकों से कहा कि त्योहार को आपसी सौहार्द के साथ मनाया जाय। अनुमति अवश्य प्राप्त कर लिया जाय। वालंटियर बनाकर सूची उपलब्ध करा दिया जाय। प्रतिमा स्थापित स्थलों पर सुरक्षा के सभी मानकों का अनुपालन किया जाय।

गैर परंपरागत कार्यों को न किया जाय। निर्धारित आवाज में ही डी.जे. बजाया जाय तथा अश्लील गानों को न बजाया जाय।पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। अफवाहों पर ध्यान न दिया जाय।

अगर कोई व्यक्ति जनपद की शांति एवं कानून व्यवस्था बिगड़ने का प्रयास करता है तो उसके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। नदियों में प्रतिमाओं का विसर्जन न किया जाय। त्योहार को आपसी सौहार्द के साथ मनाया जाय। उन्होंने अधिशासी अधिकारी कड़ाधाम से कहा कि कड़ाधाम के आस-पास प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था के साथ ही सी.सी.टी.वी. कैमरा लगाया जाय। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाय कि गंगा नदी में किसी के डूबने की घटना न होने पाये।बैठक में सभी उप जिलाधिकारीगण, क्षेत्राधिकारीगण एवं थाना प्रभारीगणों सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी तथा संभ्रान्त नागरिक-प्रेम चौधरी व अजय सोनी आदि उपस्थित रहें।

युवक की हत्या का प्रयास करने वाले दस-दस हजार के दो इनामी आरोपी अरेस्ट

कौशाम्बी। जिले में महेवाघाट थाना क्षेत्र के अजरौली गांव में 12 सितंबर को हुई सनसनीखेज घटना का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने इस प्रकरण में नामजद दोनों इनामी आरोपियों को रविवार को धाता मोड़ नहर पुलिया के पास से अरेस्ट कर लिया है, पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त बांस का डंडा भी बरामद किया है। दो आरोपियों को विधिक कार्यवाही के बाद न्यायालय में पेश किया गया है।

ज्ञात हो कि महेवाघाट थाना क्षेत्र के अजरौली गांव निवासी चेतराम ने 16 सितंबर को पुलिस को तहरीर दी थी कि उसका भतीजा सूरज गुप्ता 12 सितंबर को शौच के लिए नहर की तरफ गया था। वहीं पर गांव के ही विपक्षी किलविस यादव पुत्र हीरालाल यादव एवं कल्लू सिंह पुत्र नरेन्द्र सिंह ने उससे शराब लाने को कहा। जब सूरज ने इनकार कर दिया तो दोनों ने मिलकर उसे बेरहमी से पीटा। आरोप है कि हमलावरों ने जान से मारने की नीयत से उसकी टांग पकड़कर फाड़ दी, जिससे उसका शरीर का निचला हिस्सा गंभीर रूप से घायल हो गया। खून से लथपथ सूरज को मंझनपुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

घटना की गंभीरता को देखते हुए एसपी राजेश कुमार ने तत्काल पुलिस टीमों का गठन कर आरोपियों की गिरफ्तारी के निर्देश दिए थे। साथ ही दोनों फरार आरोपियों पर 10-10 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया गया था।

रविवार को महेवाघाट पुलिस टीम संदिग्ध व्यक्ति/वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि दोनों इनामी आरोपी धाता मोड़ नहर पुलिया के पास फरार होने की फिराक में खड़े हैं। सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को दबोच लिया। गिरफ्तार अभियुक्तों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त बांस का डंडा भी बरामद किया गया। पुलिस का कहना है कि दोनों अभियुक्तों को न्यायालय में पेश कर दिया गया है। वहीं, गंभीर हालत में घायल सूरज गुप्ता का इलाज जिला अस्पताल में जारी है।

एडीओ पंचायत कार्यालय में तैनात बाबू घूस लेते गिरफ्तार

कौशाम्बी। जिले में मंझनपुर ब्लॉक में सफाई कर्मचारी के पद पर तैनात शिवनंदन एडीओ पंचायत में बाबू की तरह काम करता है। शनिवार को प्रयागराज की विजिलेंस टीम ने शिवनंदन को 5500 रुपये रिश्वत लेते अरेस्ट किया है।

बताया जा रहा है कि कौशाम्बी ब्लॉक के बरई बंधवा में तैनात सफाई कर्मचारी शिवचरण का कुछ दिनों पहले कौशाम्बी ब्लॉक में ट्रांसफर हुआ है। पत्रावली को यहां से भेजने के नाम पर रिश्वत की मांग की गई थी। हालांकि इसकी अधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है।

वहीं कोतवाली प्रभारी मंझनपुर सुनील सिंह ने बताया कि विजिलेंस टीम ने उनको कार्रवाई के बाद जानकारी दी है। वह आरोपी को कोतवाली नहीं लाए। प्रयागराज में ही मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

भवंस मेहता महाविद्यालय में राजभाषा हिंदी सप्ताह के अंतर्गत भाषण प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

कौशाम्बी। जिले के भवंस मेहता महाविद्यालय भरवारी में राजभाषा हिंदी सप्ताह आयोजन के तहत भाषण प्रतियोगिता का आयोजन हुआ ।

इस कार्यक्रम का आरंभ महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. प्रबोध श्रीवास्तव के द्वारा विद्या की देवी माता सरस्वती को पुष्पांजलि एवं दीप प्रज्वलन से हुआ। भाषण प्रतियोगिता में महाविद्यालय के छात्र - छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया ।

ज्ञात हो कि महाविद्यालय द्वारा राजभाषा हिंदी सप्ताह के तहत जो विविध प्रतियोगिताएं आयोजित की गई , उनमें काव्य पाठ प्रतियोगिता, निबंध लेखन प्रतियोगिता, राजभाषा प्रश्नोत्तरी। भाषण प्रतियोगिता का विषय ' राजभाषा हिंदी का भविष्य एवं चुनौतियां था। 'इस पर अपने विचार व्यक्त करते हुए प्रतिभागियों ने राजभाषा हिंदी के प्रशस्त भविष्य एवं आने वाली चुनौतियां पर अपने विचार रखें । इस भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर बीए प्रथम वर्ष के छात्र यवन, द्वितीय स्थान पर बीए प्रथम वर्ष की छात्रा निशि एवं तृतीय स्थान पर बीए प्रथम वर्ष के छात्र संजय रहे ।

मंझनपुर श्री रामलीला का आगाज-मुकुट पूजा और प्रसाद वितरण से हुई शुरुआत

कौशाम्बी। मंझनपुर मुख्यालय स्थित गल्ला मण्डी में हिन्दू धर्म सभा श्रीरामलीला कमेटी द्वारा नवरात्र से पहले शुरू होने वाली शनिवार की देर रात मुकुट पूजन के साथ रामलीला का शुभारंभ हुआ है। इस दौरान ब्यास गोपाल दास जी महाराज ने श्रीरामलीला कमेटी के अध्यक्ष द्वारा वैदिक मंत्रोंच्चार के साथ पूरे विधि-विधान से मुकुट पूजन संपन्न कराया गया है। मुख्य यजमान कमेटी के अध्यक्ष आशीष कुमार केसरवानी बच्चा भाई द्वारा अपने सभी पदाधिकारियों के साथ गणेश जी, भगवान विष्णु जी, श्री राम जी, हनुमान जी का पूजन-अर्चना किया साथ ही धनुष तथा मुकुट पूजा किया गया। मुकुट पूजन के बाद जय श्री राम के जयघोष पूरे नगर में गूंजने लगा यह मनोहर दृश्य देख लोग भाव विभोर हो गये। साथ ही नारद मोह का लीला दिखाया गया है। अध्यक्ष ने बताया कि यह ऐतिहासिक रामलीला गल्ला मण्डी में श्री रामलीला मैदान में पिछले 77 वर्ष से रामलीला मंचन किया जा रहा है, जो अब परंपरा का रूप ले चुका है। साथ ही साथ यह भी बताया कि शारदीय नवरात्र से पहले ही रामलीला मंचन शुरू होकर विजय दशमी पर लंका दहन के साथ इसका समापन राम-भरत मिलाप होने के उपरान्त होता है। मुकुट पूजन के दौरान संरक्षक प्रेम चौधरी, महामंत्री पंकज शर्मा, पंकज गामा, उपाध्यक्ष रूपेश शर्मा, सुशील नामदेव, कल्लू पाण्डा, संगठन मंत्री झल्लर चौरसिया, कोषाध्यक्ष सोना लाल केशरवानी, अजय वर्मा, सुशील नामदेव, मंत्री सुनील नामदेव, राजू केशरवानी, नवीन वर्मा, बब्लू केशरवानी, संजीत सिंह रिंकू, रोहित, रितिक, लखन, मथुरा, अमित दीपक कश्पय, दीपक जायसवाल, सुभाष आदि सहित नगर के संभ्रांत लोग नगरवासी मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने एम.ओ.यू. हस्ताक्षरित निवेशकों की समस्याओं के समाधान के संबंध में संबंधित अधिकारियों के साथ की बैठक

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने आज उदयन सभागार में एम.ओ.यू. हस्ताक्षरित निवेशकों की समस्याओं के समाधान के संबंध में संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक की।

ज्ञात हो कि बैठक में जिलाधिकारी ने निवेशकों की समस्याओं को गंभीरता से सुनकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही करते हुए समस्या को निस्तारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने उपायुक्त उद्योग को संबंधित अधिकारियों से समन्वय कर निवेशकों की समस्याओं को निस्तारित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने बैठक में अनुपस्थित रहने पर एल.डी.एम. को कारण बताओं नोटिस जारी करने एवं अपर मुख्य अधिकारी, जिला पंचायत का वेतन रोकने के निर्देश दिए।

बैठक में एम.ओ.यू. हस्ताक्षरित निवेशकों द्वारा उद्यम स्थापित करने के लिए भूमि की अनुपलब्धता व बैंक से ऋण न मिलने आदि समस्याओं से अवगत कराया गया, जिस पर जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में औद्योगिक आस्थान विकसित करने के लिए भूमि चिन्हित कर ली गई है। इसके साथ है उन्होंने उपायुक्त उद्योग को संबंधित बैंकर्स के साथ बैठक कर ऋण से संबंधित समस्याओं को निस्तारित कराने के निर्देश दिए।

जेल की मिट्टी से बंदियों ने बनाई मां दुर्गा की प्रतिमा

कौशाम्बी। कौशाम्बी के मंझनपुर स्थित जिला जेल में इस बार नवरात्र की तैयारियां विशेष हैं। जेल की मिट्टी से बंदियों ने खुद मां दुर्गा की प्रतिमा बनाई है। तीन दिन की मेहनत के बाद प्रतिमा तैयार हो गई है। रविवार शाम को पंडाल सजाकर मूर्ति की स्थापना की जाएगी।

ज्ञात हो कि जेल अधीक्षक अजितेश कुमार ने बताया कि बंदियों ने मां दुर्गा की मूर्ति बनाने की इच्छा जताई थी। उन्होंने बंदियों को इसकी अनुमति दे दी। जेल में कई ऐसे बंदी हैं जो कलाकार हैं। इससे अन्य बंदियों को भी कला सीखने का मौका मिलता है।

नवरात्र के दौरान जेल में विशेष आयोजन होगा। सैकड़ों बंदी व्रत रखेंगे और 9 दिनों तक पूजा-पाठ करेंगे। शारदीय नवरात्र का मुख्य उद्देश्य बुराई से दूर होकर अच्छाई की राह पर चलना है। इस दौरान बंदी अपनी गलतियों की क्षमा मांगेंगे और जीवन सुधार का संकल्प लेंगे।

10 किलो गांजा के साथ तस्कर को धर दबोचा, शांतीनगर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

शहर में नशे के खिलाफ शांतीनगर पुलिस को शनिवार को बड़ी सफलता हाथ लगी। पुलिस ने 10 किलो 396 ग्राम गांजा सहित एक आरोपी को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। जब्त माल व अन्य सामान की कुल कीमत 2 लाख 5 हजार 500 रुपये आंकी गई है। जानकारी के मुताबिक, शांतीनगर पुलिस परिमंडल-2 के अंतर्गत एपीआई सुरेश चोपड़े और उनकी टीम नियमित गश्त पर थी। इसी दौरान पुलिस सिपाही प्रशांत बर्वे को सूचना मिली कि न्यू पाइपलाइन इलाके में एक संदिग्ध बैग लेकर खड़ा है। सूचना पर विश्वास करते हुए पुलिस टीम ने शाम करीब सवा पांच बजे मौके पर दबिश दी और आरोपी को हिरासत में ले लिया।

पुलिस पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम बाबु कृष्णा निरेटी (49), निवासी सायन-धारावी, मुंबई और पेशा से चालक बताया। पंचों की मौजूदगी में तलाशी लेने पर उसके सूटकेस से 10 पैकेट गांजा बरामद हुए, जिनका वजन 10 किलो 396 ग्राम निकला। इसके अलावा आरोपी के पास से एक मोबाइल फोन और 2 हजार नकद भी जब्त किया गया। शांतीनगर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8(क), 20(ब) के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। पुलिस को शक है कि बाबु कृष्णा किसी बड़े नशा तस्करी गिरोह का हिस्सा है और उससे जुड़े अन्य लोगों की तलाश जारी है। यह कार्रवाई पुलिस उपायुक्त शशिकांत बोराटे, एसीपी सचिन सांगले, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विनायक गायकवाड, पोनि (गुन्हे) अतुल अडूरकर और पोनि (प्रशासन) विनोद पाटील के मार्गदर्शन में की गई। इस ऑपरेशन में एपीआई सुरेश चोपड़े, पोहवा रिजवान सैय्यद, राजेश पाटील, निलेश महाले तथा पोशि प्रशांत बर्वे, रोशन जाधव, नाजीम शेख, भुषण पाटील, निलेश पाटील आदि शामिल थे। शांतीनगर पुलिस की इस सफलता से भिवंडी में मादक पदार्थ तस्करों में हड़कंप मच गया है।

भिवंडी में राकांपा सेवादल की सख्त कार्रवाई

इरशाद अंसारी पद से हटाए गए, पार्टी से बाहर का रास्ता

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी की राजनीति में शनिवार को बड़ा भूचाल तब आया, जब राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) सेवादल ने अपने ही संगठन के निरीक्षक इरशाद अंसारी को पद से हटाकर पार्टी से निष्कासित कर दिया। यह कदम पार्टी की ओर से अनुशासन और संगठनात्मक सख्ती का स्पष्ट संदेश माना जा रहा है। महाराष्ट्र प्रदेश राकांपा सेवादल के प्रदेशाध्यक्ष राजेंद्र लावंघरे (देशमुख) द्वारा जारी आधिकारिक पत्र में कहा गया है कि इरशाद अंसारी लगातार पार्टी-विरोधी गतिविधियों और अनुशासनहीनता में शामिल रहे। उनके आचरण से संगठन की छवि धूमिल हुई और कार्यों को नुकसान पहुंचा। पत्र में यह भी उल्लेख है कि तमाम चेतावनियों के बावजूद सुधार नहीं दिखा, जिसके चलते कठोर निर्णय लेना पड़ा।दरगाह दीवान शाह परिसर, भिवंडी निवासी इरशाद अंसारी लंबे समय से सेवादल निरीक्षक पद पर कार्यरत थे। सूत्रों के अनुसार, उनके खिलाफ कार्यकर्ताओं ने बार-बार शिकायतें दर्ज कराई थीं। उन पर जनमानस विरोधी काम करने और व्यक्तिगत स्वार्थ साधने के आरोप लगे। अंततः पार्टी नेतृत्व ने

कार्रवाई के बाद शहर के राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। राकांपा के भीतर इसे अनुशासन कायम रखने की ठोस पहल माना जा रहा है। भिवंडी शहर राकांपा जिलाध्यक्ष प्रवीण पाटिल ने साफ शब्दों में कहा-'जो लोग पार्टी की छवि खराब करेंगे, उन पर इसी तरह की कार्रवाई होती रहेगी। संगठन में वही जुड़ेंगे, जो पार्टी और जनता दोनों के प्रति वफादार हों।' विशेषज्ञों का मानना है कि यह फैसला केवल संगठनात्मक अनुशासन तक सीमित नहीं, बल्कि स्थानीय राजनीति में शक्ति संतुलन पर भी असर डालेगा। अंसारी की बर्खास्तगी ने न सिर्फ पार्टी कार्यकर्ताओं को चेतावनी दी है, बल्कि अन्य दलों की निगाहें भी अब भिवंडी की राजनीति पर टिक गई हैं।

भिवंडी से तीन युवक फ़िलिस्तीन फंडिंग के आरोप में दबोचे

तीनों युवकों पर अंतरराष्ट्रीय फंडिंग कनेक्शन का आरोप, UP ATS की कार्रवाई

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी शहर से शनिवार को एक बड़ी कार्रवाई में उत्तर प्रदेश एंटी टेररिज़्म स्क्वॉड (UP ATS) ने तीन युवकों को गिरफ्तार किया। आरोप है कि इन युवकों ने करीब 3 लाख रुपये जुटाकर फ़िलिस्तीन भेजे थे। इस सनसनीखेज गिरफ्तारी ने शहर भर में हलचल मचा दी है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मोहम्मद अयान मोहम्मद हुसैन (22), निवासी सहारा अपार्टमेंट, ताहेरा मैरेज हॉल के पास; अबु सुफ़ियान तजम्मुल अंसारी (22), निवासी गुलज़ार नगर; और ज़ैद नोतीयार अब्दुल कादिर (22), निवासी वेताल पाड़ा के रूप में हुई है।

एटीएस सूत्रों का कहना है कि इन युवकों पर संदिग्ध गतिविधियों में शामिल होने का शक है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि आखिरकार पैसों का इस्तेमाल कहां और कैसे हुआ। शुरुआती पूछताछ में कई अहम सुराग मिलने की बात कही जा रही है,फिलहाल तीनों से गहन पूछताछ जारी है और उनके संपर्कों की भी जांच हो रही है। स्थानीय स्तर पर इस कार्रवाई की चर्चा जोर-शोर से हो रही है। भिवंडी में अक्सर आपराधिक व संदिग्ध गतिविधियों पर पुलिस और एटीएस की नजर रहती है, लेकिन इस बार मामला सीधे अंतरराष्ट्रीय फंडिंग से जुड़ने के आरोप में सामने आया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस नेटवर्क का पर्दाफाश करना बेहद जरूरी है, क्योंकि यह देश और शहर की सुरक्षा से भी जुड़ा मामला है। फिलहाल एटीएस तीनों आरोपियों के मोबाइल, बैंक खाते और सोशल मीडिया कनेक्शन खंगाल रही है। सूत्रों के अनुसार, इस मामले में आगे और गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

तेजस्वी यादव ने एक बार फिर पीएम मोदी की दिवंगत माता का किया अपमान, सम्राट चौधरी बोले- यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण

पटना **(एजेंसी)**। बिहार में इस वर्ष के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले सियासी सरगर्मी तेज होने के बीच भारतीय जनता पार्टी ने रविवार को आरोप लगाया कि राजद नेता तेजस्वी यादव की 'बिहार अधिकार यात्रा' के दौरान उनके समर्थकों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दिवंगत मां को गालियां दीं। पिछले महीने प्रदेश के दरभंगा जिले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 'वोटर अधिकार यात्रा' के लिए बनाए गए मंच से एक व्यक्ति ने प्रधानमंत्री की दिवंगत मां के लिए कथित तौर पर अपशब्द कहे थे।

भाजपा नेता और प्रदेश के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने अपने 'एक्स' हैंडल से एक वीडियो साझा करते हुए लिखा, ''तेजस्वी यादव ने एक बार फिर मोदी जी की दिवंगत माता का अपमान किया है।'' चौधरी ने लिखा, ''तेजस्वी ने बिहार की संस्कृति को फिर से तार-तार किया है। राजद कार्यकर्ता जितनी गालियां दे सकते थे, दे रहे थे और तेजस्वी उन्हें प्रोत्साहित कर रहे थे। बिहार की माताएं-बहनें इस गुंडागर्दी वाली मानसिकता और अभद्र व्यवहार का हिसाब जरूर करेंगी।'' भाजपा नेता ने आगे कहा, ''यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और लोकतंत्र का बड़ा अपमान है। क्या अब माताओं और बहनों का अपमान करना विपक्षी दलों की संस्कृति और हथियार बन गया है? बिहार की जनता इस गंदी राजनीति को अच्छी तरह समझती है और लोकतांत्रिक तरीके से इसका जवाब देगी।'' चौधरी ने आगे कहा, 'यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और लोकतंत्र का घोर अपमान है। क्या माताओं-बहनों का अपमान करना उनकी संस्कृति और विपक्षी दलों को जवाब देने का हथियार बन गया है? बिहार की जनता इस गंदी राजनीति को अच्छी तरह समझती है और लोकतांत्रिक तरीके से इसका जवाब देगी।

प्रदेश के एक अन्य उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने भी 'एक्स' पर पोस्ट में लिखा, ''तेजस्वी यादव की यात्रा के दौरान एक बार फिर प्रधानमंत्री जी की दिवंगत माता के लिए अभद्र भाषा का प्रयोग किया गयाष्ठ और राजद नेता अपने कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ा रहे थेष्ठ यह चौंकाने वाला है। इससे उनकी मानसिकता उजागर होती है।'' हालांकि, सोशल मीडिया पर वायरल इस वीडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि पंजाब केसरी नहीं करता है। बार-बार प्रयास करने के बावजूद, राजद का कोई भी पदाधिकारी इस मुद्दे पर टिप्पणी के लिए उपलब्ध नहीं हुआ।

भाजपा विधायक की बस ने खत्म कर दिया पूरा परिवार

लाशें पहुंची गांव तो विरोध में लोगों ने कर दिया चक्काजाम

भोपाल **(एजेंसी)**। मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर में सांवेर रोड पर एक दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर दिया। विधायक गोलू शुक्ला की बस बाइक सवार एक परिवार को टक्कर मार गई। इस हादसे में दम्पति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि इलाज के दौरान उनके दोनों बच्चों की भी अस्पताल में जान चली गई। जिसके विरोध में आज सांवेर में जोरदार प्रदर्शन करते हुए चक्काजाम किया। पुलिस ने इस मामले में बस ड्राइवर के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया। शवों का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया गया। जब मृतकों की अर्थियां उनके गाँव पहुंचीं, तो पूरा गाँव शोक में डूब गया और हर आंख में आँसू थे।

यूपी में माफियाओं की कमर टूटी

अब कानून का राज- विपक्ष पर जमकर बसरे डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने रविवार को कहा कि आज प्रदेश में कानून का राज कायम है और संगठित अपराधी पूरी तरह समाप्त हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि 17 साल पहले सपा सरकार के समय यूपी में अपराधियों का बोलबाला था, लेकिन भाजपा की सरकार ने जीरो टॉलरेंस की नीति से माफियाओं की कमर तोड़ दी है।

डिप्टी सीएम ने कहा कि आज अपराधी और माफिया जान की भीख मांग रहे हैं। सपा शासनकाल में यही अपराधी व्यापारियों से वसूली करते थे, प्लाट और दुकान कब्जाते थे और महिलाओं की सुरक्षा खतरे में रहती थी। उन्होंने दावा किया कि भाजपा सरकार ने अपराध और भ्रष्टाचार पर सख्ती दिखाकर प्रदेश को सुरक्षित वातावरण दिया है।

ब्रजेश पाठक ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और इंडी गठबंधन पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यदि विपक्ष को चुनाव में गड़बड़ी की शिकायत है तो निर्वाचन आयोग में क्यों नहीं जाते। जब ये कर्नाटक में जीतते हैं तो संवैधानिक संस्थाओं की तारीफ करते हैं, लेकिन हारते ही संस्थाओं पर सवाल उठाते हैं। यह जनता को गुमराह करने और अपना चेहरा चमकाने का तरीका है।

डिप्टी सीएम ने कहा कि कांग्रेस को दशकों तक सत्ता मिली, लेकिन गरीबी नहीं हटी। जबकि मोदी सरकार में 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर उठे हैं। लोगों को पक्का मकान, शौचालय, बिजली, गैस कनेक्शन, किसान सम्मान निधि और स्वास्थ्य सुविधाएं मिली हैं। डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ की कमी पर डिप्टी सीएम ने कहा कि पहले प्रदेश में गिने-चुने मेडिकल कॉलेज थे। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी की वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कॉलेज योजना से अब प्रदेश में 81 मेडिकल कॉलेज काम कर रहे हैं। हाल ही में अमेठी में भी मेडिकल कॉलेज शुरू हुआ है। उन्होंने बताया कि बरेली में 300 बेड का अस्पताल तैयार है जिसे जल्द ही उच्चीकृत कर मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल में बदल दिया जाएगा। यहां मरीजों को मुफ्त इलाज की सुविधा मिलेगी।

जीएसटी रिफॉर्म से होगा नए रोज़गार का सृजन युवाओं के सपने लेंगे मूर्त रुप : सीएम योगी

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जीएसटी रिफॉर्म से न सिर्फ जरुरी वस्तुओं की कीमतों में कमी आयेगी बल्कि नये रोजगार का सृजन होने से युवाओं के सपने मूर्त रुप लेंगे। मुख्यमंत्री ने अपने आवास पर नशामुक्त भारत के लिए नमो युवा रन का शुभारंभ करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दीपावली के उपहार के रूप में हर देशवासी और प्रदेशवासी को जीएसटी रिफॉर्म का गिफ्ट दिया है। सीएम योगी ने कहा, इससे जहां एक ओर जरूरी चीजें छात्रों के लिए शिक्षण सामग्री, दूध, दही, घी, पनीर, खाने की वस्तुओं में भारी छूट दी गयी है, वहीं दूसरी ओर नशे और फिजूलखर्ची पर भारी टैक्स लगाया गया है। युवाओं के सपनों को उड़ान देने के लिए बाइक, कार, घर, घर पर लगने वाले स्टील, सीमेंट आदि पर भी छूट दी गयी है। यह घोषणा तीन सितंबर को जीएसटी काउंसिल ने की थी, जिसे 22 सितंबर से पूरे देश में लागू किया जा रहा है। वहीं विजयदशमी पर हर गांव, हर कस्बे और हर जिले में युवाओं को बुराई के प्रतीक पाप, अत्याचार, भ्रष्टाचार, अन्याय और नशे का पुतला जलाना होगा। नमो मैराथन कालिदास मार्ग से शुरू होकर 1090 चौराहे पर खत्म हुयी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारत माता की जय के जयकारों से युवाओं को हौसला बढ़ाया। उन्होने कहा ' जीएसटी रिफॉर्म से देश और प्रदेश का हर गरीब महंगाई से मुक्त और युवा सस्ते में शिक्षण सामग्री खरीद सकेगा। वहीं हर व्यक्ति की खरीद की क्षमता बढ़ेगी, बाज़ार की ताकत बढ़ेगी, नए रोज़गार का सृजन होगा, व्यक्ति को आगे बढ़ने में मदद मिलेगी और रोज़गार के नये अवसर पर भी मिलेंगे। यह गरीब को राहत के साथ सामान्य उपभोक्ता को हर प्रकार की सुविधा से आगे बढ़ाते हुए व्यापारी के कल्याण के मार्ग से भी जुड़ा हुआ है। ऐसे में हर प्रदेशवासी को जीएसटी रिफॉर्म से अवगत कराना होगा।'

सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर से 2 अक्टूबर यानी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती तक भाजपा पूरे देश भर में 'सेवा पखवाड़ा' मना रही है। इस सेवा पखवाड़ा का शुभारंभ प्रधानमंत्री मोदी ने मध्य प्रदेश के धार से 'स्वस्थ नारी, सशक्त समाज' थीम के साथ किया। प्रधानमंत्री का स्पष्ट मानना है कि यदि नारी स्वस्थ होगी तो परिवार सशक्त होगा, समाज सशक्त होगा और राष्ट्र भी सशक्त बनेगा। इसी सोच के आधार पर सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम पूरे देश में एक नया कीर्तिमान स्थापित कर रहा है।

बीजेपी के वरिष्ट नेता के घर पर चला बुलडोजर बोले- आज मुझे यह सिला मिल रहा

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के गोरखपुर जिले के पिपराइच थाना क्षेत्र में एक 19 साल के बच्चे की हत्या हुई थी वह मामला अभी शांत भी नहीं था कि अब बीजेपी के वरिष्ठ नेता और पूर्व डिप्टी मेयर सिस्टम से तंग आकर अपने ही सरकार के खिलाफ धरने पर बैठ गए।

दरअसल, उनका कहना था कि प्रशासन ने हमारी बरसों पुरानी दुकान पर ही बुलडोजर चलवा दिया। जैसे ही इसकी भनक पुलिस को हुई, तो मौके पर पहुंचे एसएसपी ने उन्हें समझा बूझाकर धरने से उठाया और अपने साथ चेंबर में ले गए। बताया जा रहा है कि भाजपा के वरिष्ट नेता चिरंजीव चौरसिया की कोतवाली क्षेत्र में वर्ष 1980 से एक दुकान है। आरोप है कि यह दुकान उनकी जीविका का एकमात्र साधन है। जिसकी मकान मालिक गायत्री देवी थीं। उनकी मौत के बाद पूरी प्रॉपर्टी उनके लड़के के नाम ट्रांसफर हो गई। बीजेपी नेता का आरोप है कि गायत्री देवी का लड़का शराब का आदी है, जिसे बहला फुसलाकर कर दुर्गा प्रसाद जायसवाल ने अपने झांसे में ले लिया और धोखे से प्रॉपर्टी अपने नाम करा ली। जबकि 3:50 लाख रुपये मैने उक्त दुकान के नाम पर पहले ही दे रखे थे और यह तय था की दुकान जब भी बिकेगी मुझे ही बेचेंगे। शनिवार को आरोपी की गिरफ्तारी की मांग को लेकर भाजपा नेता एसएसपी से मिलने उनके ऑफिस पहुंचे थे लेकिन जब उनसे बात नहीं हुई तो कार्यकर्ता जमीन पर ही बैठ गए। इसकी सूचना मिलते ही सीओ कोतवाली ओंकार दत्त त्रिपाठी ने उन्हें उठाया।

बिरहा गायिका ने मां दुर्गा को लेकर कर दी गंदी-गंदी टिप्पणी!

थंबनेल भी आपत्तिजनक, विरोध पर उतरा हिंदू संगठन

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के मिर्जापुर की रहने वाली बिरहा गायिका सरोज सरगम के खिलाफ हिंदू संगठन के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने मांग की है इस गायिका की गिरफ्तारी की जाए। दरअसल, उनका आरोप है कि सरोज सरगम ने अपने गाने में मां दुर्गा को लेकर गलत बातें कही है। उसने आपत्तिजनक टिप्पणी की है और यूट्यूब थंबनेल भी शर्मनाक है। इसके लिए उन पर कार्रवाई होनी चाहिए।

बता दें कि बिरहा गायिका सरोज सरगम मड़िहान की रहने वाली है। सरगन ने महिषासुर राक्षस को लेकर बिरहा गाना गाया है। आरोप है कि इस दौरान गायिका ने मां दुर्गा को लेकर विवादित टिप्पणी की है। मां दुर्गा को लेकर कई तरह की भद्दी टिप्पणियां करने की बात सामने आई है। विवादित गानों और विवादित यूट्यूब थंबनेल सोशल मीडिया पर शेयर किए जा रहे हैं। जिसके बाद लोग सरगन का जमकर विरोध कर रहे है।

मां दुर्गा पर टिप्पणी करने पर गायिका पर हिंदू संगठन काफी नाराज है। संगठन के कार्यकर्ता और नेता विरोध में उतरे है। विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष माता सहाय मिश्र ने गायिका की गिरफ्तारी की मांग की है।

नशे में टल्ली महिला ने पुलिस चौकी में मचाया हंगामा शरीर से कपड़े उतारकर फेंके, दारोगा से की अभद्रता

अगरा **(एजेंसी)**। शहर के ताजगंज थाना क्षेत्र स्थित विभव नगर चौकी पर गुरुवार रात एक असामान्य स्थिति उत्पन्न हो गई, जब एक महिला शराब के नशे में चौकी पहुंची और वहां जमकर हंगामा किया। हैरानी की बात यह रही कि महिला सिर्फ एक चादर में लिपटी हुई थी और चौकी पहुंचते ही उसने वह भी उतार फेंकी।बताया जा रहा है कि महिला लगभग 30 वर्ष की है और हाल ही में चौकी के पास एक मकान में किराए पर रहने आई थी। गुरुवार रात को पति से झगड़े के बाद वह अपनी छोटी बच्ची को साथ लेकर चौकी पहुंची। महिला शराब के नशे में थी और न केवल बाहर हंगामा किया बल्कि चौकी के भीतर एक दारोगा से भी उलझ पड़ी।

महिला का पति, जो पेशे से मजदूर है और उम्र में उससे काफी बड़ा (लगभग 55 वर्ष) बताया जा रहा है, ने बताया कि पत्नी को शराब पीने की आदत है जिससे परिवार में अक्सर झगड़े होते रहते हैं। घटना वाले दिन भी कुछ ऐसा ही हुआ। पति ने उसे शराब पीने से रोका, जिससे नाराज होकर वह चौकी पहुंच गई।

पुलिसकर्मियों ने स्थिति को गंभीर होता देख तुरंत महिला को ढंकने के लिए चादर दी और दो युवतियों की मदद से उसे चौकी के भीतर ले जाया गया। महिला का हंगामा लगभग आधे घंटे तक चला। बाद में उसका पति भी वहां पहुंचा और दोनों पक्षों की बात सुनने के बाद पुलिस ने पति को घर भेज दिया। कुछ देर बाद महिला के लिए कपड़े लाए गए, जिन्हें पहनाने के लिए चौकी की लाइट बंद करनी पड़ी। हालांकि इसके बाद महिला फिर नाराज हो गई और पुलिस पर पैसों की मांग करने का आरोप लगाने लगी। पुलिस ने उसे शांत कराया और समझाने-बुझाने के बाद वह अपने पति के साथ वापस घर लौट गई।

एशिया कप 2025 : 'दोनों टीमों में बहुत अंतर है', भारत-पाकिस्तान मैच से पहले वेंकटेश प्रसाद ने की भविष्यवाणी

हुबली (कर्नाटक) **(एजेंसी)**। भारत रविवार को दुबई में एशिया कप 2025 के अपने पहले सुपर 4 मुकाबले में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से भिड़ेगा। यह हाई-प्रोफाइल मुकाबला ग्रुप चरण में पाकिस्तान पर भारत की शानदार जीत के बाद हो रहा है। हुबली से अपने विचार साझा करते हुए पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद ने सूर्यकुमार यादव की टीम के एक बार फिर दबदबे का समर्थन किया। प्रसाद ने कहा, 'अभी भारत और पाकिस्तान के बारे में बात करने की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि दोनों टीमों में बहुत अंतर है। भारत हमेशा शीर्ष पर रहता है। भारत जरूर जीतेगा।' अपनी पिछली जीत की लय को बरकरार रखते हुए प्रशंसकों को इस बड़े मुकाबले में पाकिस्तान के खिलाफ एक और दमदार प्रदर्शन की उम्मीद है। अप्रैल में पहलगाम आतंकी हमले और उसके बाद मई में पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह दोनों देशों के बीच दूसरा मुकाबला है। भारत ने पहला मुकाबला एकतरफा जीता था, जिसमें उसने 7 विकेट शेष रहते 128 रनों का आसान लक्ष्य हासिल किया था और स्पिनर कुलदीप यादव ने 'प्लेयर ऑफ द मैच' के रूप में 3/18 की शानदार गेंदबाजी के साथ अहम भूमिका निभाई थी, जिससे पाकिस्तान 127/9 पर ही सिमट गया था।

भारत-पाकिस्तान के बीच मैच ही नहीं बल्कि मैदान के बाहर भी प्रतिद्वंदिता देखने को मिली, जब कप्तान सूर्यकुमार यादव और शिवम दुबे जीत के बाद पाकिस्तानी टीम से हाथ मिलाए बिना मैदान से बाहर चले गए। भारतीय कप्तान ने इस जीत को भारतीय सशस्त्र बलों को समर्पित किया और पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों के साथ एकजुटता व्यक्त की। वहीं पाकिस्तानी कप्तान सलमान आगा मैच के बाद की प्रस्तुति में शामिल नहीं हुए और कोच माइक हेसन को प्रेस का सामना करने के लिए भेजा गया। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बाद में पाइक्रॉफ्ट के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई, जिसमें उन पर 'आईसीसी आचार संहिता' और मैरीलेबोन क्रिकेट क्लब के क्रिकेट भावना से जुड़े कानूनों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया। संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ अपने अगले मुकाबले से एक घंटे पहले पाकिस्तान ने टीम को होटल के कमरे से निकलने और बस में सवार होने से मना कर दिया। पीसीबी ने धमकी दी कि अगर पाइक्रॉफ्ट को टूर्नामेंट से नहीं हटाया गया तो वह टूर्नामेंट से हट जाएगा। मैच एक घंटे के लिए स्थगित कर दिया गया और पाइक्रॉफ्ट और पाकिस्तानी टीम के नेतृत्व समूह के बीच बैठक के बाद मैच आगे बढ़ा और पाकिस्तान ने जीत हासिल कर सुपर 4 चरण में प्रवेश किया। इसके बाद पाकिस्तान पर नियमों के उल्लंघन के आरोप भी लगे।

दिल्ली के पूर्व क्रिकेटर मिथुन मन्हास बीसीसीआई अध्यक्ष बनने के लिए तैयार

मुंबई **(एजेंसी)**। दिल्ली के पूर्व कप्तान मिथुन मन्हास अगले बीसीसीआई अध्यक्ष बनने के लिए तैयार हैं। बीसीसीआई के विभिन्न पदों के लिए नामांकन दाखिल करने की समय सीमा समाप्त होने से एक दिन पहले, शनिवार तक, मन्हास अध्यक्ष पद की दौड़ में एकमात्र नाम थे, जो इस साल अगस्त में पूर्व भारतीय ऑलराउंडर रोजर बिन्नी के पद छोड़ने के बाद से खाली है। बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला तब से अंतरिम रूप से इस पद पर कार्यरत थे। बीसीसीआई पदाधिकारियों में एक और क्रिकेटर के शामिल होने की संभावना है, कर्नाटक और भारत के पूर्व स्पिनर रघुराम भट कोषाध्यक्ष का पदभार संभालेंगे। भट वर्तमान में कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ के अध्यक्ष हैं। मन्हास, जो अक्टूबर में 46 वर्ष के हो जाएंगे, जम्मू और कश्मीर क्रिकेट संघ के संचालन के लिए बीसीसीआई द्वारा नियुक्त उप-समिति का हिस्सा हैं।

जम्मू में जन्मे मन्हास 2015 में दिल्ली से जम्मू और कश्मीर चले गए थे और उसके अगले वर्ष सेवानिवृत्त हो गए। तब से उन्होंने विभिन्न टीमों के साथ कोच के रूप में काम किया है, जिसमें बांग्लादेश पुरुष अंडर-19 टीम के बल्लेबाजी सलाहकार के साथ-साथ आईपीएल टीमों किंग्स इलेवन पंजाब (अब पंजाब किंग्स), रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और गुजरात टाइटन्स के लिए भी काम किया है। भारतीय घरेलू क्रिकेट के दिग्गज मन्हास ने 1997-98 से 2016-17 तक 157 प्रथम श्रेणी मैच खेले, जहां उन्होंने 9714 रन बनाए; 130 लिस्ट ए मैचों में 4126 रन बनाए; और 91 टी20 मैचों में 1170 रन बनाए।

मन्हास का नाम शनिवार को दिल्ली में हुई एक अनौपचारिक बैठक में सामने आया, जिसमें बीसीसीआई के कुछ प्रमुख पूर्व और वर्तमान सदस्य शामिल हुए, जिनमें वर्तमान आईसीसी अध्यक्ष जय शाह, शुक्ला, बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया, दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष रोहन जेटली और पूर्व बोर्ड सचिव निरंजन शाह शामिल थे। विभिन्न पदाधिकारियों के लिए चुनाव

28 सितंबर को मुंबई में होने वाली बीसीसीआई की वार्षिक आम बैठक में होने वाले हैं। हालांकि, रविवार के अंत तक नए नामांकन दाखिल नहीं किए जाते, तो दिल्ली बैठक में चर्चा किए गए नामों के अंतिम होने की उम्मीद है। माना जा रहा है कि सैकिया, जिन्होंने इसी जनवरी में जय की जगह बीसीसीआई सचिव का पद संभाला था, इस पद पर बने रहेंगे, जबकि शुक्ला भी उपाध्यक्ष पद पर बने रहेंगे। छत्तीसगढ़ राज्य क्रिकेट संघ के प्रभतेज भाटिया, जिन्हें जनवरी में कोषाध्यक्ष चुना गया था, गोवा क्रिकेट संघ के पूर्व सचिव रोहन देसाई की जगह संयुक्त सचिव का पद संभालेंगे। सौराष्ट्र के पूर्व कप्तान जयदेव शाह को बीसीसीआई की शीर्ष परिषद में शामिल किए जाने की संभावना है और वह मिजोरम के खैरुल जमाल मजूमदार की जगह लेंगे, जिनके आईपीएल गवर्निंग काउंसिल में शामिल होने की संभावना है।

वैभव सूर्यवंशी ने फिर दिखाई अपनी पावर-हिटिंग, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगाए चौके-छक्के

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के खिलाफ पहले यूथ वनडे में भारत के 225 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 14 वर्षीय सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने एक बार फिर अपनी पावर-हिटिंग दिखाते हुए सहजता से चौके जड़ने का जलवा दिखाया। ओपनिंग करने उतरे सूर्यवंशी ने शुरुआत से ही ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी आक्रमण पर हमला बोला औरचौके जड़े। उन्होंने सिर्फ 22 गेंदों पर 7 चौकों और एक गगनचुंबी छक्के की मदद से 38 रनों की पारी खेली। इस किशोर खिलाड़ी ने हेडन शिलर और चार्ल्स लैचमंड का डटकर सामना किया, जो शुरुआती ओवरों में दबाव में थे।

भारत को जीत के लिए 225 रनों की जरूरत थी, और सूर्यवंशी और कप्तान आयुष म्हात्रे ने शानदार शुरुआत दिलाई। सूर्यवंशी के आउट होने के बाद म्हात्रे (6) और विहान मल्होत्रा (9) सस्ते में आउट हो गए, यानी भारत ने 100 रन का आंकड़ा पार करने से पहले ही 3 विकेट गंवा दिए। ऑस्ट्रेलिया की पारी जॉन जेम्स की नाबाद 77 रनों की पारी के दम पर आगे बढ़ी, जिन्होंने शुरुआती विकेट गिरने के बाद निचले क्रम को संभाले रखा। हेनिल पटेल (3/38) और किशन कुमार (2/59) ने भारत की ओर से गेंदबाजी का नेतृत्व किया जबकि कनिष्क चौहान ने भी दो विकेट लिए।

मेजबान टीम 50 ओवर में 9 विकेट पर 225 रन ही बना सकी। सूर्यवंशी गेंदबाजों पर हावी होने की अपनी क्षमता से एक बार फिर मुकाबले में आकर्षण का केंद्र बन गए। उनकी पारी के वायरल वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गए और प्रशंसक क्रीज पर इस युवा खिलाड़ी के कौशल का जश्न मना रहे थे। भारत का लक्ष्य अब मध्य क्रम के बल्लेबाज़ों पर है, लेकिन शुरुआती बढ़त सूर्यवंशी के नाम रही।

श्रीलंका के खिलाफ आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए नूर और मुजीब को मिले डिमेरिट अंक

दुबई **(एजेंसी)**। अफगानिस्तान के स्पिनर नूर अहमद और मुजीब उर रहमान को आईसीसी कोड ऑफ कंडक्ट के लेवल 1 का उल्लंघन करने पर एक-एक डिमेरिट पॉइंट दिया गया। यह घटना गुरुवार को अबु धाबी में एशिया कप में श्रीलंका के खिलाफ मैच के दौरान हुई।

नूर अहमद को आर्टिकल 2.8 का उल्लंघन करते पाया गया, जिसका मतलब है 'अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान अंपायर के फैसले पर असहमति दिखाना।' जबकि मुजीब पर आर्टिकल 2.2 का उल्लंघन करने का आरोप लगा, जो 'क्रिकेट उपकरण, कपड़े, ग्राउंड उपकरण या फिटिंग्स का दुरुपयोग करने' से संबंधित है।

मुजीब ने मैच के दौरान अपने तौलिये से स्टंप तोड़ दिए थे। नूर ने श्रीलंका की पारी के 16वें ओवर में असहमति जताई थी, जब अंपायर ने उनकी एक गेंद को वाइड करार दिया था। मैदान पर मौजूद अंपायर आसिफ याकूब और वीरेंद्र शर्मा, तीसरे अंपायर फैसल अफरीदी और चौथे अंपायर रोहन पंडित ने आरोप लगाए। दोनों खिलाड़ियों ने अपने अपराध स्वीकार कर लिए और मैच रेफरी रिची रिचर्डसन द्वारा प्रस्तावित सजा को मान लिया। इसलिए औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी। गौर है कि अफगानिस्तान का एशिया कप अभियान श्रीलंका से छह विकेट से हारने के बाद समाप्त हो गया। उस मैच में नूर और मुजीब ने एक-एक विकेट लिया था।

डिजिटल इकॉनमी के साथ बढ़ रहा ही डिजिटल फ्रॉड का खतरा, देखें हैरान करने वाले आंकड़े

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत में डिजिटल इकॉनमी तेजी से बढ़ रही है लेकिन इसके साथ ही डिजिटल फ्रॉड के मामले भी चिंताजनक स्तर तक पहुंच गए हैं। ठग अब हाई-टेक तरीके अपनाकर लोगों से करोड़ों रुपए ठग रहे हैं। सरकार और आरबीआई लगातार सख्ती कर रहे हैं, बावजूद इसके साइबर अपराधियों की चालाकियां नई-नई चुनौतियां खड़ी कर रही हैं।

हाल ही में गुरुग्राम की एक महिला 'डिजिटल अरेस्ट' स्कैम का शिकार हो गई और उसने 5.85 करोड़ रुपए गंवा दिए। सितंबर 2024 में कुछ ठगों ने खुद को कानून प्रवर्तन एजेंसी का अधिकारी बताकर वीडियो कॉल किया और फर्जी आईडी दिखाकर महिला व उसके बेटे को जेल भेजने की धमकी दी। डर के माहौल में महिला ने पहले ही दिन 2.8 करोड़ रुपए और अगले दिन 3 करोड़ रुपए ट्रांसफर कर दिए।

साइबर क्राइम में कई बार बैंककर्मी की संलिप्तता भी सामने आई है। बेंगलुरु के एक बैंक कर्मचारी प्रताप केसरी प्रधान को हाल ही में हैदराबाद पुलिस ने गिरफ्तार किया। आरोप है कि वह ळ स्मॉल फाइनेंस बैंक में कस्टमर रिलेशन ऑफिसर रहते हुए ठगों के लिए फर्जी अकाउंट खोलता और जानकारी व्हाट्सएप पर साझा करता था। आरबीआई भी इस बढ़ते खतरे को लेकर चिंतित है। आरबीआई चीफ संजय मल्होत्रा ने 27 जनवरी 2025 को बैंकों के सीईओ के साथ बैठक में कहा था कि डिजिटल स्कैम्स में पिछले दो सालों में करीब 2, 500 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है।

विशेषज्ञों का कहना है कि ठग ज्यादातर डर का माहौल बनाकर लोगों से पैसे ठगते हैं। ऐसे में जरूरी है कि लोग सतर्क रहें। कोई भी सरकारी एजेंसी फोन कॉल पर गिरफ्तारी या कार्रवाई की धमकी नहीं देती। किसी भी संदिग्ध स्थिति में तुरंत राष्ट्रीय साइबर फ्रॉड हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें या cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज कराएं। साथ ही, बैंक अलर्ट सक्रिय रखना भी बेहद जरूरी है ताकि हर ट्रांजेक्शन की जानकारी तुरंत मिल सके।

भारत-पाकिस्तान प्रतिद्वंद्विता पर पूर्व क्रिकेटर का बड़ा बयान, पाकिस्तान ज्यादा टक्कर नहीं दे पाएगा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दिग्गज भारतीय क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन का मानना है कि भारतीय टीम ने पाकिस्तान के साथ अपनी प्रतिद्वंद्विता को कम नहीं आंका है। लेकिन पाकिस्तान ज्यादा टक्कर देने में सफल नही हुआ। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव द्वारा हाल ही में पाकिस्तान के खिलाफ आगामी सुपर-4 मुकाबले को लेकर बयान आया कि उनका काम प्रशंसकों को एक ऐसा क्रिकेट मैच देना है जो देखने लायक हो।

अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'भारतीय टीम ने हाइप को कम नहीं आंका है। भारतीय टीम ने बस सच बोल दिया है। इसके बारे में और कुछ कहने की जरूरत नहीं है। यह बिल्कुल सच है।' उन्होंने आगे कहा, 'सूर्यकुमार यादव ने बस वही दर्शाया है जो भारतीय टीम के खिलाड़ी महसूस कर रहे थे। यही उनकी सच्चाई है, यही उनकी समस्या है और हमारा इससे कोई लेना-देना नहीं है।' इससे पहले सूर्यकुमार ने पाकिस्तान के खिलाफ भारत की प्रतिद्वंद्विता पर अपनी राय साझा की थी और बताया था कि टीम का ध्यान अच्छा क्रिकेट खेलने पर है। उन्होंने एशिया कप में अब तक टीम के शानदार प्रदर्शन पर भी प्रकाश डाला। गौर है कि भारत ने अपने तीनों ग्रुप चरण के मैच जीतकर सुपर 4 चरण में प्रवेश कर लिया। टीम इंडिया ने अपने अभियान की शुरुआत यूएई पर 9 विकेट की शानदार जीत के साथ की, फिर पाकिस्तान के खिलाफ 7 विकेट से जीत हासिल की। इसके बाद उन्होंने ओमान के खिलाफ अपने अंतिम ग्रुप चरण के मैच में 21 रन से जीत हासिल की और ग्रुप ए में 6 अंकों के साथ शीर्ष पर रही।

सितंबर के आखिरी सप्ताह कई दिन रहेंगे बैंक बंद, जल्दी से निपटा लें अपना जरूरी काम

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। सितंबर 2025 के आखिरी सप्ताह में भारत के विभिन्न राज्यों में कई बैंक अवकाश घोषित किए गए हैं। भारतीय रिजर्व बैंक के अवकाश कैलेंडर 2025 के अनुसार, क्षेत्र-विशिष्ट छुट्टियों और सप्ताहांत बंद के कारण बैंकों की शाखाएं बंद रहेंगी। ग्राहकों को सलाह दी जाती है कि वे नकदी जमा, चेक क्लियरेंस, ऋण आवेदन या अन्य शाखा-संबंधी कार्यों की योजना पहले से बना लें, ताकि किसी भी असुविधा से बचा जा सके।

सितंबर 2025 के अंतिम सप्ताह में भारत में कई बैंक अवकाश होंगे, जिसमें 22 सितंबर को जयपुर, राजस्थान में नवरात्रि स्थापना और तेलंगाना में बथुकम्मा पुष्प उत्सव, 23 सितंबर को जम्मू-श्रीनगर में महाराजा हरि सिंह जी की जयंती और हरियाणा में वीर शहीदी दिवस के कारण बैंक बंद रहेंगे, जबकि 27 सितंबर को ँ ह के नियमों के अनुसार चौथा शनिवार होने और 28 सितंबर को नियमित रविवार की छुट्टी के चलते देशभर में सभी बैंक शाखाएं बंद रहेंगी।

ग्राहकों को सुझाव दिया जाता है कि वे बैंक शाखा में जाने से पहले अवकाश की तारीखों की जांच कर लें। चेक जमा करने, बड़ी मात्रा में नकदी निकालने या ऋण आवेदन जैसे कार्यों के लिए पहले से योजना बनाना जरूरी है, ताकि किसी भी रुकावट से बचा जा सके। हालांकि, छुट्टियों के दौरान भी यूपीआई भुगतान, मोबाइल बैंकिंग, इंटरनेट बैंकिंग और एटीएम सेवाएं सामान्य रूप से उपलब्ध रहेंगी। धन हस्तांतरण, बिल भुगतान या अन्य आवश्यक लेन-देन बिना किसी परेशानी के पूरे किए जा सकेंगे।

जो व्यवसाय चेक क्लियरेंस, ऋण प्रसंस्करण या अन्य बैंक-संबंधी स्वीकृतियों पर निर्भर हैं, उन्हें इन अवकाशों के कारण देरी का सामना करना पड़ सकता है। कंपनियों को सलाह दी जाती है कि वे अपने लेन-देन की योजना पहले से तैयार करें, ताकि आखिरी समय की परेशानियों से बचा जा सके।

हालांकि अधिकांश बैंक ँ ह की अवकाश सूची का पालन करते हैं, कुछ राज्य सरकारें क्षेत्रीय त्योहारों या विशेष आयोजनों के लिए अतिरिक्त छुट्टियां घोषित कर सकती हैं। ग्राहकों को सलाह दी जाती है कि वे नवीनतम अपडेट के लिए अपनी स्थानीय बैंक शाखा से संपर्क करें।

लोढ़ा डेवलपर्स ने मुंबई में 24 एकड़ जमीन एसटीटी ग्लोबल डेटा सेंटर्स को 500 करोड़ में बेची

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। रियल एस्टेट कंपनी लोढ़ा डेवलपर्स लि. ने मुंबई क्षेत्र में 24 एकड़ से अधिक जमीन सिंगापुर की एसटीटी ग्लोबल डेटा सेंटर्स को करीब 500 करोड़ रुपए में बेची है। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

भूमि सौदा पहले ही पंजीकृत हो चुका है। सूत्रों के अनुसार, सिंगापुर की कंपनी डेटा सेंटर सेवा प्रदाता एसटी टेलीमीडिया ग्लोबल डेटा सेंटर (एसटीटी जीडीसी) ने हाल ही में पलावा में 24.34 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया है।

सूत्रों ने बताया कि लोढ़ा डेवलपर्स ने 1.74 एकड़ जमीन बेची है, जबकि उसकी अनुषंगी कंपनी पलावा इंडसलॉजिक 4 प्राइवेट लिमिटेड ने 22.6 एकड़ जमीन करीब 499 करोड़ रुपए में बेची है। इस महीने की शुरुआत में, लोढ़ा डेवलपर्स ने पलावा में हरित एकीकृत डेटा सेंटर पार्क स्थापित करने के लिए महाराष्ट्र सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए थे। समझौता ज्ञापन में बताया गया है कि कुल प्रस्तावित निवेश 30, 000 करोड़ रुपए का होगा, जिससे 6, 000 प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा होंगी।

पश्चिम रेलवे
बाहरी पीयू पेंटिंग कार्य
मुख्य कार्यशाला प्रबंधक, कैरिज मरम्मत कार्यशाला, पश्चिम रेलवे, एन. एम. जोशी मार्ग, लोअर परेल, मुंबई-13, निविदा सूचना संख्या: WR-PL-ME-EST-635019 दिनांक: 18.09.2025 आमंत्रित करता है। **कार्य का नाम:** बाहरी पीयू पेंटिंग (छत सहित) के साथ-साथ आईसीएफ कोचों के अंडरफ्रेम की स्क्रैपिंग, सफाई और पेंटिंग। **विज्ञापित लागत:** 5,56,69,242.30 **अग्रिम जमा राशि:** 4,28,400/- **ई-बोली ऑनलाइन जमा करने की अंतिम तिथि और समय:** 08.10.2025, 14:00 बजे तक। बोली प्रपत्र और अन्य विवरण जैसे शुद्धिपत्र वेबसाइट www.ireps.gov.in से प्राप्त किए जा सकते हैं। 0623
हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

'बिग बॉस' फेम ये मॉडल हुई ऊप्स मोमेंट का शिकार वीडियो वायरल होने पर लोगों ने किया ट्रोल

बॉलीवुड एक्टर सलमान खान के चर्चित रियलिटी शो 'बिग बॉस' के सीजन 18 में नजर आने वाली मॉडल कशिश कपूर एक बार फिर चर्चा में आ गई हैं। दरअसल, उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। कशिश कपूर के इस वीडियो में देखा जा सकता है कि वह पब्लिक प्लेस पर स्पॉट होती हैं और पैपराजी उन्हें कैमरे में कैद करने लगते हैं। इस दौरान वह उप्स मोमेंट का शिकार हो जाती हैं और इसका वीडियो सामने आया है। इसके बाद लोगों ने कशिश कपूर को ट्रोल करना शुरू कर दिया।

शो 'बिग बॉस 18' की कंटेस्टेंट और मॉडल कशिश कपूर का एक वीडियो 'बॉलीवुड तड़का' के इंस्टाग्राम पेज पर शेयर किया गया है। इस वीडियो में कशिश कपूर नजर आ रही हैं और उन्होंने रेड कलर की शॉर्ट ड्रेस पहनी हुई है। कशिश कपूर किसी इवेंट में जाती हुए पैपराजी के कैमरे में कैप्चर हुईं और इस

दौरान वह अपनी ड्रेस को सही करने के लिए खींचती हैं और वह ज्यादा ही खिसक जाती है। इसके बाद कशिश कपूर ऊप्स मोमेंट का शिकार हो जाती हैं और फिर उन्हें बताया जाता है तो वह ड्रेस सही करती हैं। कशिश कपूर का वीडियो वायरल होने के बाद उन्हें ट्रोल किया जा रहा है। कशिश कपूर को लेकर एक यूजर ने लिखा है, 'कैसे पागल लोग हैं।' एक यूजर ने लिखा है, 'कितनी गंदी है।' एक यूजर ने लिखा है, 'जानबूझकर खींचा है।' एक यूजर ने लिखा है, 'जब बिकिनी पहनकर घूमती हो तो क्या ही ऊप्स मोमेंट का शिकार।' बताते चलें कि इन दिनों शो 'बिग बॉस 19' का लोगों का एंटरटेनमेंट कर रहा है। सलमान खान के शो में कुनिका सदानंद, गौरव खन्ना, मृदुल तिवारी, अशनूर कौर, जीशान कादरी, नीलम गिरी, अमाल मलिक जैसे स्टार्स बतौर कंटेस्टेंट पहुंचे हैं।

कल्कि 2989 ईस्वी सीक्वल से अलग होकर दीपिका पादुकोण ने थामी एसआरके का हाथ, 'किंग' के सेट से शेयर की दिल छू लेने वाली पोस्ट

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण अभिनेता शाहरुख खान के साथ अपनी आगामी फिल्म ''किंग'' की शूटिंग शुरू करने पर सोशल मीडिया पर दिल को छू जाने वाली एक पोस्ट लिखी। दीपिका और शाहरुख की यह छठी फिल्म होगी। इससे पहले उन्होंने ''ओम शांति ओम'' (2007), ''चेन्नई एक्सप्रेस'' (2013), ''हैप्पी न्यू इयर'' (2014), ''पठान'' (2023) और ''जवान'' (2023) में साथ काम किया था। दीपिका कुछ दिन पहले, 2024 में आई तेलुगु ब्लॉकबस्टर ''कल्कि 2898 एडी'' के सीक्वल से बाहर हो गई थीं।

दीपिका ने एक हाथ पकड़े हुए अपनी एक तस्वीर शेयर की और कैप्शन दिया, 'लगभग 18 साल पहले ओम शांति ओम की शूटिंग के दौरान उन्होंने मुझे जो पहला सबक सिखाया था, वह यह था कि फिल्म बनाने का अनुभव और आप जिन लोगों के साथ इसे बनाते हैं, वह उसकी सफलता से कहीं ज़्यादा मायने रखता है। मैं इससे पूरी तरह सहमत हूँ और तब से मैंने अपने हर फैसले में इस सीख को लागू किया है। और शायद यही वजह है कि हम साथ में अपनी छठी फिल्म बना रहे हैं?'

अभिनेत्री ने एक मूल्यवान सीख देने के लिए शाहरुख का आभार जताया और कहा कि उन्होंने अपने हर फैसले में इस बात को लागू किया। अभिनेत्री ने लिखा, ''उन्होंने (शाहरुख) ने लगभग 18 साल पहले ओम शांति ओम की शूटिंग के दौरान मुझे जो पहली सीख दी थी वह फिल्म बनाने का अनुभव था। उन्होंने कहा था कि आप जिन लोगों के साथ मिलकर फिल्म बनाते हैं, वे फिल्म की सफलता से कहीं अधिक महत्वपूर्ण होते हैं।''

बताया जा रहा है कि इस नयी फिल्म 'किंग' में शाहरुख की बेटी सुहाना खान भी होंगी। इससे पहले, बृहस्पतिवार को ''कल्कि 2898 एडी'' के निर्माताओं ने घोषणा की थी कि दीपिका फिल्म के सीक्वल में नहीं होंगी।

पश्चिम रेलवे
सहायक ट्रांसफार्मर का प्रतिस्थापन
वरिष्ठ डीईई/टीआरडी/एनएस/बीसीटी ई-निविदा सं.: ईएल-टीआरडी-डब्ल्यू-118-25-26-10 दिनांक-18.09.2025 आमंत्रित करते हैं- **कार्य का नाम:** मुंबई मंडल के विरार-सूरत में पारडी, संजन, अमलसाद, डुंगरी और घोलवड स्टेशनों पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग के साथ इनडोर और आउटडोर सिग्नलिंग उपकरणों के प्रतिस्थापन के संबंध में सहायक ट्रांसफार्मर का प्रतिस्थापन। **विज्ञापित मूल्य:** रु.1,24,69,744/- **बयाना राशि:** रु.2,12,400/- **जमा करने की तिथि एवं समय:** 10.10.2025, 15:00 बजे तक। **शुरू होने की तिथि एवं समय:** 10.10.2025 को 15:30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें। मैन्युअल प्रस्तावों पर विचार नहीं किया जाएगा। 0624
हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे
चर्चगेट स्टेशन पर ग्लो साइन्स की स्थापना
मंडल रेल प्रबंधक, वाणिज्य विभाग, एनएफआर अनुभाग, मुंबई सेंट्रल, मुंबई 400 008 आमंत्रित करते हैं- **नीलामी सूची संख्या:** MMCT-ADVT-25-39 **नीलामी प्रारंभ (सभी लॉट):** 09-10-25 को 15:00 बजे। **कार्य** - मुंबई मंडल में विभिन्न एनएफआर मीडिया के माध्यम से विज्ञापन प्रदर्शित करना। **लॉट संख्या:** ADVT-BCT-CCG-OH-439-25-2 (घर से बाहर विज्ञापन)। **स्थान/क्षेत्र:** चर्चगेट पूर्वी दीवार पर चिन्हित स्थानों/स्थानों पर ग्लो साइन्स लगाकर विज्ञापन प्रदर्शित करने के विज्ञापन अधिकार। **दिन:** 1096 **ई-नीलामी की समाप्ति तिथि और समय:** 09-10-25 को 15:30 बजे। **संपर्क विवरण:** लैंडलाइन नंबर: 022 67644212, **ईमेल आईडी:** acmadvtgbct@gmail.com **नोट:** संभावित बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे IREPS की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल देखें। लॉटवार विवरण नीचे दिए गए कैटलॉग में उपलब्ध हैं। 0622
हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

भारतीय रेलवे ने शुरू की समयबद्ध कार्गो सेवाएँ, बढ़ाई माल परिवहन की गति

नई दिल्लीः भारतीय रेलवे ने माल परिवहन क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। अब समय-सारणी आधारित, वस्तु-विशेष कार्गो सेवाएँ शुरू की गई हैं, जो उत्तर भारत के प्रमुख उत्पादन और खपत केंद्रों को जोड़ती हैं। इन सेवाओं का उद्देश्य ग्राहकों की संतुष्टि बढ़ाना, भरोसेमंद ट्रांज़िट समय सुनिश्चित करना और उद्योग-आधारित लॉजिस्टिक्स समाधान प्रदान करना है। नई सेवाओं में शामिल हैंः अन्नपूर्णा सेवाः लुधियाना से वाराणसी तक, 704 किमी, खाद्य अनाज का 17 घंटे में परिवहन। गति-वाहन सेवाः फर्रुख नगर (हरियाणा) से लखनऊ तक, 557 किमी, ऑटोमोबाइल्स का 28 घंटे में परिवहन, पहले 70 घंटे लगते थे। निर्यात कार्गो सेवाः गढ़ी से मुन्द्रा पोर्ट तक, 1061 किमी, कंटेनर का 32 घंटे में परिवहन।अनंतनाग सीमेंट कार्गो सेवाः रूपनगर से अनंतनाग, 586 किमी, सीमेंट का 31 घंटे में परिवहन।इन सेवाओं की योजना बनाने में FCI, ऑटोमोबाइल ऑपरेटर, कंटेनर ट्रेन

ऑपरेटर और पड़ोसी रेलवे जोन सहित सभी फ्रेट स्टेकहोल्डर्स के साथ व्यापक समन्वय किया गया। प्रारंभ में ये सेवाएँ परीक्षण के रूप में शुरू हुई थीं, लेकिन अब यह पूरी तरह से स्थिर और कुशल रूप से संचालित हो रही हैं। ग्राहकों से मिली प्रतिक्रिया उत्साहजनक रही। FCI ने अन्नपूर्णा सेवा की सराहना की, जिससे पंजाब और हरियाणा के अधिशेष क्षेत्रों से उत्तर प्रदेश के कमी वाले क्षेत्रों तक खाद्य अनाज की आपूर्ति में सुधार हुआ। मारुति सुजुकी ने गति-वाहन सेवा के तहत ट्रांज़िट समय 70 घंटे से घटकर 28 घंटे होने की जानकारी दी, जिससे रोड ट्रांसपोर्ट के बराबर डिलीवरी सुनिश्चित हुई। निर्यातक रिपोर्ट कर रहे हैं कि निर्यात कार्गो सेवा के जरिए मुन्द्रा पोर्ट तक 40 घंटे से कम में माल पहुँच रहा है, जिससे पोर्ट और शिपिंग कंपनियों के साथ समय पर समन्वय संभव हुआ। सीमेंट कंपनियों ने अनंतनाग सीमेंट कार्गो सेवा और अनंतनाग गुड्स शेड के उद्घाटन का स्वागत किया, जिससे रेक डिस्पैच और ट्रक संचालन बेहतर हुए। समयबद्ध ट्रेन आगमन और प्रस्थान की जानकारी के साथ, ये सेवाएँ कॉन्साइनर्स और कन्सिग्नी दोनों के लिए बेहतर लॉजिस्टिक्स योजना बनाने में मदद कर रही हैं, जिससे पूर्वानुमान और दक्षता बढ़ रही है। भारतीय रेलवे उद्योग, व्यापार और क्षेत्रीय विकास को समर्थन देते हुए विश्वस्तरीय, भरोसेमंद माल परिवहन सेवाएँ प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

ज्ञान वही है जो हमें अज्ञान, भय और बंधनों से मुक्त कर आत्मबल प्रदान करे : आनंदीबेन पटेल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि ज्ञान वही है जो हमें अज्ञान, भय और बंधनों से मुक्त कर आत्मबल प्रदान करता है। राज्यपाल एवं राज्य विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में शनिवार को मां शाकुम्भरी विश्वविद्यालय (सहारनपुर) का तृतीय दीक्षांत समारोह सम्पन्न हुआ।

अपने संबोधन में राज्यपाल ने कहा, 'ज्ञान वही है जो हमें अज्ञान, भय और बंधनों से मुक्त कर आत्मबल प्रदान करता है।' उन्होंने कहा कि यह केवल डिग्रियों का उत्सव नहीं है, बल्कि ज्ञान के प्रति हमारी निष्ठा, सत्य की खोज और जीवन में उद्देश्यपूर्ण योगदान का संकल्प है।

पटेल ने कहा कि सच्चे भारतीय होने का अर्थ केवल अपने अतीत पर गर्व करना नहीं है, बल्कि उस ज्ञान और परंपरा को अपने जीवन में उतारकर समाज एवं राष्ट्र के विकास के लिए समर्पित करना है।

उन्होंने कहा, 'जब हम शिक्षा की बात करते हैं, तो हमें गर्व से कहना चाहिए कि भारत आज विश्व मंच पर नई ऊंचाइयों को छू रहा है। वर्ष 2014 में केवल 11 विश्वविद्यालयों के साथ विश्व रैंकिंग में शामिल भारत, आज 54 विश्वविद्यालयों के साथ पांच गुना प्रगति कर चुका है। यह उपलब्धि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में लागू किए गए शैक्षिक सुधारों का प्रमाण है।'

एक आधिकारिक बयान के अनुसार इस अवसर पर राज्यपाल द्वारा विद्यार्थियों को कुल 24,875 उपाधियां प्रदान की गईं, जिनमें से 66 प्रतिशत उपाधियां छात्राओं को तथा 34 प्रतिशत उपाधियां छात्रों को मिलीं। कुल 90 पदकों में से 66 पदक (73 प्रतिशत) छात्राओं ने तथा 24 पदक (27 प्रतिशत) छात्रों ने प्राप्त किए।

दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कुलाधिपति ने कहा कि यह आंकड़ा केवल संख्या मात्र नहीं है, बल्कि उस उज्ज्वल भविष्य का संकेत है जिसमें छात्राएं शिक्षा, नेतृत्व और आत्मनिर्भरता की नई मिसालें कायम कर रही हैं।

सिंधिया से जीतू के सवाल, बोले- आप मंत्री वोट चोरी करके बने या नहीं

भाजपा और पीएम मोदी क्यों घबरा रहे

भोपाल **(एजेंसी)**। ग्वालियर पहुंचे पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने भाजपा और मुख्यमंत्री मोहन यादव पर जमकर हमला बोला। उन्होंने राहुल गांधी द्वारा लगातार उठाए जा रहे वोट चोरी के मुद्दे पर प्रदेश की जनता को जागरूक करने की कोशिश को समर्थन दिया और कहा कि कांग्रेस इस दिशा में कार्यक्रम बना रही है।

पटवारी ने कहा कि जगह-जगह रेलिया आयोजित की जा रही हैं, जिनमें हजारों कांग्रेसजन और आम लोग शामिल हो रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर देश में वोट के अधिकार का विश्वास खत्म हो गया तो लोकतंत्र बचेगा कैसे। उन्होंने कहा, 'राहुल गांधी जी ने देश की सेवा का मुद्दा उठाया है, जबकि मोदी और पूरी बीजेपी इसका जवाब देती है। चुनाव आयोग को जवाब देना चाहिए।' पटवारी ने कहा कि जब प्रधानमंत्री वोट चोरी से बने हैं तो देश का आम नागरिक सवाल पूछेगा। उन्होंने ज्योतिरादित्य सिंधिया और बीजेपी नेताओं पर तंज कसा कि उन्होंने चुनाव में अराजकता फैलाई और प्रशासन का दुरुपयोग किया। पटवारी ने कहा कि राहुल गांधी के पास जो साक्ष्य हैं, उसका जवाब बीजेपी के पास होना चाहिए।

बीजेपी ने राहुल गांधी पर जेन-जेड युवाओं को भड़काने का आरोप लगाया, जिस पर पटवारी ने पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा अपने पाप छुपा रही है। उन्होंने 2014 से मोदी सरकार के अधूरे वादे गिनाए - रोजगार, अर्थव्यवस्था, किसानों की आय, गरीबी और भ्रष्टाचार को मिटाने के वादे पूरे नहीं हुए। पटवारी ने कमलेश्वर पटेल के पार्टी में गुटबाजी पर दिए गए बयान को सही ठहराया और कहा कि पार्टी में एकजुटता आनी चाहिए, नेताओं की चिंता बनी रहती है लेकिन सही दिशा में कदम उठाना जरूरी है।

30 सितंबर तक एसआईआर लागू करने के लिए तैयार रहें राज्य अधिकारी, निर्वाचन आयोग का सख्त निर्देश

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। निर्वाचन आयोग ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के निर्वाचन अधिकारियों को 30 सितंबर तक विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के लिए तैयार रहने को कहा है। आयोग का यह निर्देश इस बात का संकेत है कि अक्टूबर-नवंबर की शुरुआत में मतदाता सूची को दुरुस्त करने का काम शुरू हो सकता है। अधिकारियों के अनुसार, इस महीने की शुरुआत में राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के एक सम्मेलन में आयोग के शीर्ष अधिकारियों ने उन्हें अगले 10 से 15 दिनों में विशेष गहन पुनरीक्षण के लिए तैयार रहने को कहा था।

हालांकि अधिक स्पष्टता के लिए 30 सितंबर की समय सीमा तय की गई थी। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे पिछली एसआईआर

के बाद प्रकाशित अपने राज्यों की मतदाता सूची तैयार रखें। कई राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों ने अपनी पिछली एसआईआर के बाद प्रकाशित मतदाता सूचियां पहले ही अपनी वेबसाइटों पर डाल दी हैं। दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर 2008 की मतदाता सूची उपलब्ध है, जब राष्ट्रीय राजधानी में अंतिम गहन पुनरीक्षण हुआ था।

उत्तराखंड में अंतिम एसआईआर 2006 में हुआ था और उस वर्ष की मतदाता सूची अब राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर उपलब्ध है। राज्यों में अंतिम एसआईआर ही 'कट-ऑफ' तिथि होगी, ठीक उसी तरह जैसे बिहार की 2003 की मतदाता सूची का उपयोग आयोग गहन पुनरीक्षण के लिए कर रहा है। अधिकांश राज्यों में अंतिम एसआईआर 2002 से 2004 के बीच हुआ था और उन्होंने वर्तमान मतदाताओं का मिलान पिछले गहन पुनरीक्षण के अनुसार लगभग पूरा कर लिया है।

आयोग ने कहा कि बिहार के बाद पूरे देश में एसआईआर लागू किया जाएगा। असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव 2026 में होने हैं। इस गहन पुनरीक्षण का मुख्य उद्देश्य विदेशी अवैध प्रवासियों के जन्म स्थान की जांच कर उन्हें बाहर निकालना है।

गाजा युद्ध पर सख्त ब्रिटेन, कहा-अमेरिका की परवाह नहीं, अब फिलीस्तीन को राष्ट्र मानना ज़रूरी

लंदन **(एजेंसी)**। अमेरिका के विरोध के बावजूद ब्रिटेन द्वारा फिलीस्तीन को राष्ट्र के रूप में रविवार को मान्यता दिए जाने की उम्मीद है। ब्रिटेन का मानना है कि इजराइल ने गाजा में युद्ध के संबंध में रखी गई शर्तों को पूरा नहीं किया है। यद्यपि यह अपेक्षित कदम काफी हद तक प्रतीकात्मक है, ब्रिटेन को उम्मीद है कि इससे गाजा में संघर्ष को समाप्त करने के लिए कूटनीतिक दबाव बढ़ सकता है, साथ ही दीर्घकालिक शांति का मार्ग प्रशस्त करने में भी मदद मिलेगी।

ब्रिटेन के उपप्रधानमंत्री डेविड लैमी ने कहा कि फलस्तीन राष्ट्र की मान्यता की घोषणा रविवार को प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर द्वारा की जाएगी। लैमी इस महीने की शुरुआत तक विदेश मंत्री थे। उन्होंने 'स्काई न्यूज' से कहा, ''फलस्तीन राष्ट्र को मान्यता देने का कोई भी फैसला, अगर आज बाद में लिया भी जाए, तो इससे रातोंरात फलस्तीन राष्ट्र नहीं बन जाता।''

लैमी ने कहा कि मान्यता से द्वि-राष्ट्र समाधान की संभावना को

जीवित रखने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि फलस्तीनी लोगों को हमास के साथ जोड़ना ग़लत है। जुलाई में, अपनी लेबर पार्टी के भीतर दबाव के बीच, स्टारमर ने कहा था कि यदि इजराइल गाज़ा में संघर्षविराम के लिए सहमत नहीं होता, संयुक्त राष्ट्र को मानवीय सहायता पहुंचाने की अनुमति नहीं देता और दीर्घकालिक शांति की दिशा में अन्य कदम नहीं उठाता, तो ब्रिटेन फिलीस्तीन राष्ट्र को मान्यता देगा। यह प्रत्याशित कदम इस सप्ताह संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक से पहले आया है, जहां ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और फ्रांस सहित अन्य देश भी फिलीस्तीन राष्ट्र को मान्यता देने की तैयारी कर रहे हैं। साथ ही, यह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की राजकीय यात्रा के कुछ ही दिन बाद आया है, जहां उन्होंने इस योजना पर अपनी असहमति व्यक्त की थी।

ट्रंप ने कहा, ''इस मुद्दे पर मेरी प्रधानमंत्री से असहमति है। दरअसल, यह हमारी कुछ असहमतियों में से एक है।'' अमेरिका और इजराइल सरकार सहित आलोचकों ने इस योजना की निंदा करते हुए कहा है कि यह हमास और आतंकवाद को बढ़ावा देती है। स्टार्मर ने इस बात पर जोर दिया है कि फलस्तीनी लोगों के शासन के भविष्य में हमास की कोई भूमिका नहीं होगी और उसे 7 अक्टूबर, 2023 के हमलों में अब तक बंधक बनाए गए इजराइली बंधकों को रिहा करना होगा। फलस्तीन राष्ट्र को मान्यता देने के लिए 140 से अधिक देश पहले ही कदम उठा चुके हैं, लेकिन फ्रांस और ब्रिटेन के फैसले महत्वपूर्ण हैं क्योंकि ये दोनों ही जी-7 और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्य हैं।

ट्रंप की तालिबान को खुली धमकी

वापस दो बगराम एयरबेस या भुगतो 'भयावह अंजाम', मिला धमाकेदार जवाब

वाशिंगटन **(एजेंसी)**। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अफगानिस्तान की तालिबान सरकार से बगराम एयरबेस को वापस करने की मांग करते हुए सख्त चेतावनी दी है। ट्रंप ने कहा है कि अगर तालिबान ने यह मांग ठुकराई तो उन्हें इसके गंभीर नतीजे भुगतने पड़ेंगे। यह बयान ट्रंप की उसी 2020 की डील के विपरीत है, जिसमें उन्होंने तालिबान से समझौता कर अमेरिकी सेना की अफगानिस्तान से वापसी सुनिश्चित की थी।

ट्रंप ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि अमेरिका बग्राम एयरबेस को वापस लेना चाहता है, जो 2021 में अफगानिस्तान छोड़ते समय तालिबान के नियंत्रण में चला गया था। उन्होंने एयरबेस को 'दुनिया के सबसे बड़े एयर बेसों में से एक' बताया। ट्रंप ने यह बताया कि इस आधार की रणनीतिक अहमियत इसलिए है क्योंकि यह चीन की कुछ मिसाइलों/नाभिकीय हथियार उत्पादन केंद्रों से लगभग एक घंटे की दूरी पर है। उन्होंने ट्वीट या सत्य सामाजिक पर लिखा कि अगर तालिबान एयरबेस वापस नहीं करेगा, तो 'बुरी चीजें घटित होने वाली हैं'यानी 'बुरी चीजें होंगी'। लेकिन उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि वो बुरी चीजें कैसी होंगी।

तालिबान ने ट्रंप की मांग को सीधे-सीधे खारिज कर दिया है। उनका कहना है कि अफगानिस्तान में किसी भी हाल में अमेरिकी सैन्य

मौजूदगी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। हालांकि तालिबान ने यह भी कहा कि वे अमेरिका के साथ राजनीतिक और आर्थिक संबंधों के लिए खुले हैं, लेकिन सैन्य वापसी का सवाल ही नहीं उठता।

ट्रंप के इस बयान के बाद एक बार फिर उनकी 2020 की डील को लेकर सवाल उठ रहे हैं। आलोचकों का कहना है कि ट्रंप ने ही तालिबान से समझौता कर अमेरिकी सेना को बाहर निकाला था और अब उन्हीं के नेतृत्व में एयरबेस वापसी की मांग करना राजनीतिक विरोधाभास है।अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों का मानना है कि बगराम एयरबेस पर अमेरिका की नजर इसलिए भी है क्योंकि यह चीन और ईरान की निगरानी में बड़ी भूमिका निभा सकता है। ट्रंप के बयान से साफ है कि वे राष्ट्रपति पद की दौड़ में राष्ट्र सुरक्षा और ताकतवर अमेरिका की छवि को आगे बढ़ाना चाहते हैं।

गाजा में जमीन-आसमान से बरसी मौत एक दिन में बिछी 91 फिलीस्तीनियों की लाशें

इजराइल में नेतान्यहू के खिलाफ प्रदर्शन तेज

तेल अवीव **(एजेंसी)**। गाजा पर इजरायली हवाई और जमीनी हमलों में एक ही दिन में 91 फिलीस्तीनियों की मौत हो गई। इनमें गाजा के सबसे बड़े अस्पताल अल-शिफा के प्रमुख डॉक्टर मोहम्मद अबू सालमिया के परिवार के सदस्य भी शामिल हैं। हमले तब हुए जब हजारों लोग उत्तर गाजा सिटी से भागने की कोशिश कर रहे थे।शनिवार को हुए हमले आवासीय घरों, आश्रयों, विस्थापितों के तंबुओं और नागरिकों की ट्रक यात्रा पर केंद्रित थे। कम से कम 76 लोग इन हमलों में मारे गए। डॉक्टर मोहम्मद अबू सालमिया के भाई, भाभी और उनके बच्चे अपने घर पर हमला होने से मारे गए।

हमास ने इन हमलों की निंदा करते हुए कहा कि यह 'डॉक्टरों को शहर छोड़ने के लिए एक खूनी संदेश' है। इजरायली सेना ने गाजा सिटी में कई टावर ब्लॉक भी ध्वस्त

किए हैं। अल जज़ीरा की रिपोर्ट के अनुसार, हजारों लोग लगातार बमबारी और तोपखाने की गोलाबारी से भाग रहे हैं। घायल या फंसे हुए नागरिकों तक बचावकर्मी नहीं पहुंच पा रहे हैं। फिलीस्तीनी सिविल डिफेंस के अनुसार, अगस्त से गाजा सिटी पर हमलों के कारण लगभग 4.5 लाख लोग विस्थापित हो चुके हैं। विस्थापित लोग सड़कों पर तंबू लगाकर रह रहे हैं, जहां न पानी है, न बिजली और न बुनियादी सुविधाएं।

नेपाल एयरलाइंस की बड़ी घोषणा

काठमांडू से चीन के लिए शुरू की सीधी उड़ान, किराया रखा बेहद कम

काठमांडू **(एजेंसी)**। नेपाल की राष्ट्रीय विमानन कंपनी ने राजधानी काठमांडू से चीन के ग्वांगझू के लिए बृहस्पतिवार से सीधी उड़ानें शुरू करने की रविवार को घोषणा की। नेपाल एयरलाइंस कॉर्पोरेशन (एनएसी) के प्रवक्ता मनोज कुमार शाह ने बताया कि पहली बार काठमांडू से गुआंगझू के बीच उड़ान सेवा शुरू करने की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

अधिकारी ने बताया कि एनएसी इस मार्ग पर सप्ताह में तीन उड़ानें संचालित करेगा। पहली उड़ान बृहस्पतिवार और दूसरी 28 सितंबर को निर्धारित है। एनएसी ने बताया कि इसके बाद हर रविवार, मंगलवार और शनिवार को ग्वांगझू के लिए सीधी उड़ानें होंगी। एनएसी ने काठमांडू से ग्वांगझू का एकतरफा किराया 30, 000 नेपाली रुपये और वापसी का किराया 50, 000 नेपाली रुपये तय किया है। हिमालय एयरलाइंस भी नेपाल से इस मार्ग पर नियमित उड़ानें संचालित कर रही है, जबकि चीनी एयरलाइन कंपनी चाइना सदर्न भी ग्वांगझू-काठमांडू मार्ग पर नियमित उड़ानों का संचालन कर रही है।

बांग्लादेश में दुर्गा पूजा से पहले हिंदू मंदिरों पर बर्बर हमला! लूट के बाद तोड़ी 7 मूर्तियां, जमालपुर में धार्मिक तनाव बढ़ा

ढाका **(एजेंसी)**। बांग्लादेश में दुर्गा पूजा से पहले अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के खिलाफ हमले बढ़ते जा रहे हैं। जमालपुर जिले के सरिशाबारी उपजिला के तन्यापारा मंदिर में शनिवार रात एक शख्स ने लूट के बाद सात मूर्तियों को तोड़फोड़ दिया। यह घटना दुर्गा पूजा से ठीक पहले दूसरी बार सामने आई है।पुलिस ने आरोपी हबीबुर रहमान (35) को गिरफ्तार किया है। सरिशाबारी पुलिस थाना के अधिकारी राशेदुल हसन ने बताया कि पुलिस को सूचना मिलने पर तुरंत घटनास्थल पर भेजा गया।

मंदिर समिति के अध्यक्ष गोएश चंद्र बरमन ने कहा कि रविवार सुबह महालया के दिन मूर्तियों को टूटे हुए देखकर पुलिस को सूचना दी गई और सीसीटीवी फुटेज से आरोपी की पहचान की गई।मंदिर और पुलिस के अनुसार, मूर्तियाँ शनिवार रात कलाकारों द्वारा तैयार की गई थीं और उसी रात आरोपी ने मंदिर में घुसकर मूर्तियों के सिर और अन्य हिस्से तोड़ दिए।यह घटना चिंता का विषय है क्योंकि अगस्त 2024 में मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के सत्ता में आने के बाद से हिंदू मंदिरों और अल्पसंख्यकों पर हमलों में वृद्धि देखी गई है।

इस सप्ताह की शुरुआत में कुस्टिया जिले के मिर्पुर उपजिला के श्वरुपदाह पलपारा श्री श्री राधा काली मंदिर में भी मूर्तियों को तोड़ा गया और सुरक्षा कैमरा व मेमोरी कार्ड चोरी हो गए थे। मंदिर समिति के पूर्व सचिव बदाल कुमार डे ने कहा, 'पिछले तीन साल से हम दुर्गा पूजा की तैयारी कर रहे हैं। यह घटना हमें डर में डाल गई है।'इससे पहले, बांग्लादेश की अवामी लीग ने अंतरिम सरकार के गृह सलाहकार जहांगीर आलम चौधरी की हिंदू धर्म के खिलाफ विवादित टिप्पणी की निंदा की थी। शेख हसीना की सरकार के सत्ता से हटाए जाने के बाद बांग्लादेश में हिंसा और कानून व्यवस्था की स्थिति बिगड़ गई है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)